www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 193 || लखनऊ
बुधवार
14 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 06:05
सूर्यास्तः 05:39
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 22°00



पेज 07

विशेष समाचार | विरोधाभासी चरित्र से अमेरिका ... >> पेज 04 | मुरादाबाद तहसील को इशारों पर .. >> पेज 06 | 'ब्रेकिंग बैड' एक्टर आरजे मिटे ने ...

बदले में क्रेडिट-रॉयल्टी भी नहीं ली, देश पहली बार ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम का मेजबान

भारत ने दुनिया को सस्ती दवाएं-टैलेंट दिया : मोदी

भरोसा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सस्ती दवाओं से लेकर प्रतिभा तक, दुनिया भारत पर भरोसा करती है। भारत ने दुनिया को शून्य दिया, लेकिन कभी इसका श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी। दिल्ली में पहली बार हो रहे ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में मोदी ने 25 मिनट स्पीच दी। कहा कि भारत की ताकत दूसरों को सक्षम बनाने में है। उन्होंने डिजिटल तकनीक, वैक्सीन सप्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की भूमिका का जिक्र किया। तीन दिन का यह कार्यक्रम 15 अक्टूबर को खत्म होगा। इस साल फोरम की थीम 'बदलती दुनिया में ताकत के नए स्रोत तय करना' है। पीएम मोदी ने कहा- जब दुनिया को अफोर्डेबल मेडिसिन की जरूरत होती है, तब यह भारत से आती है। जब दुनिया को टैलेंट की जरूरत होती है, तब भारत के युवाओं पर भरोसा होता है। ये स्पष्ट है कि दुनिया को एक स्टीडी पिलर की जरूरत होती है, तब भारत अपना दायित्व समझते हुए हाथ आगे बढ़ाता है। पीएम ने कहा- दुनिया एक संकट से बाहर निकलने का रास्ता तलाशती है, तभी दूसरा सामने आ जाता है। सप्लाई चेन हो, एनर्जी हो, मिनरल, पेमेंट्स या टेक्नोलॉजी, दबाव-दबदबे का माध्यम बन रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)



ब्लूमबर्ग के संस्थापक माइकल ब्लूमबर्ग ने की थी शुरुआत

ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम की शुरुआत 2018 में ब्लूमबर्ग के संस्थापक माइकल ब्लूमबर्ग ने की थी। इसका उद्देश्य दुनिया की अर्थव्यवस्था से जुड़ी बड़ी चुनौतियों पर चर्चा करने और उनके समाधान तलाशने के लिए सरकारों और निजी कंपनियों के प्रमुखों को एक मंच पर लाना है। इसमें विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, बड़ी कंपनियों के CEO, निवेशक और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल होते हैं। फोरम में वैश्विक व्यापार, निवेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, सामान की आपूर्ति और दुनिया में बदलते शक्ति संतुलन जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है।

पीएम बोले- अवसर पैदा करें, देशों को जोड़े, 8 बड़ी बातें

1. दूसरों को सक्षम बनाएं: ज्ञान, धन और शक्ति का महत्व इस बात में है कि उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाता है। भारत दूसरों के लिए अवसर पैदा करने और देशों को जोड़ने में विश्वास रखता है।

2. 100 देशों में वैक्सीन सप्लाई की: कोविड के दौरान भारत ने 100 से ज्यादा देशों में वैक्सीन पहुंचाई। भारत अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल पूरी मानवता के फायदे के लिए करना चाहता है।

3. AI ने तरीका बदल रहा: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ सप्लाई चेन, ऊर्जा, खनिज और तकनीक भी देशों के बीच दबाव बनाने के साधन बन रहे हैं। दुनिया को भरोसेमंद साझेदारों की जरूरत है।

4. 25 करोड़ गरीबी से बाहर: सरकार का उद्देश्य लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करना है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक दशक में भारत ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। स्टार्टअप के मौके छोटे शहरों तक पहुंचे हैं।

5. भारत की GDP ग्रोथ 7.8%: आर्थिक सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की विकास दर 7.8% रही और विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से ज्यादा है। कारोबार को आसान बनाना और सुधार करना सरकार की प्रतिबद्धता है।

6. सस्ते मोबाइल डेटा से बढ़े अवसर: 2014 के बाद मोबाइल डेटा सस्ता हुआ है। इससे छोटे शहरों और कस्बों के छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई, जानकारी और रोजगार से जुड़े नए अवसरों तक पहुंच मिली है।

7. देश में भ्रष्टाचार कम हुआ: देश में भ्रष्टाचार कम हुआ है। सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे लोगों तक पहुंच रहा है और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता बढ़ी है।

8. भारत लोकतंत्र की जननी: भारत लोकतंत्र की जननी है। शासन का मकसद सिर्फ ताकत का इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि लोगों को सशक्त बनाना और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर देना है।

पीएम बोले- सरकार का उद्देश्य नागरिकों को निर्भर बनाना नहीं

मोदी ने कहा- सरकार के पास अधिकार है, लेकिन उसका उद्देश्य अपने नागरिकों को व्यवस्था पर निर्भर बनाना नहीं होना चाहिए। बल्कि, उसका उद्देश्य अपने नागरिकों को सशक्त और सशक्त बनाना होना चाहिए, और भारत इसी राह पर चल रहा है। पीएम बोले- भारत की 7.8% ग्रोथ रही है। आज हमारा फॉरेन रिजर्व 700 बिलियन डॉलर से ज्यादा है।

> "पीएम ने कहा- इतिहास में अनेक वैश्विक संगठन बने। उनके अपने-अपने हित रहे हैं। हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस, लाइफस्टाइल फॉर एन्वायर्नमेंट जैसे इनीशिएटिव लिए। भारत किन विचारों को लेकर सामने आया, ये सबके सामने है। भारत जोड़ने और जुड़ने पर बल देता है। पावर दूसरों को एम्पावर करने के लिए ही है। भारत रिलायबिलिटी और स्टेबिलिटी की बात करता है।"

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली प्रदर्शन पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन से पहले मेट्रो-ट्रेन सेवाएं बंद करने, इंटरनेट बाधित करने और लोगों को हिरासत में लेने से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई 15 अक्टूबर तक टाल दी है।

कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि सुनवाई करने वाली बेंच के जज जस्टिस वी. मोहना की तबीयत खराब होने के कारण यह फैसला लिया गया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार का जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। उन्होंने बताया कि एफिडेविट तैयार है, लेकिन उसमें कुछ और जानकारी जोड़ी जानी है। कोर्ट ने समय बढ़ाते हुए केंद्र को हलफनामा याचिकाकर्ताओं के वकील को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी और लेफ्ट ने 10 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और SIR के विरोध में प्रदर्शन बुलाया था।

राहुल एसआईआर के बहाने घुसपैठियों को बचा रहे : शाह

2029 में लगातार चौथी बार उनकी हार होगी

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। देश भर में SIR और चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा- राहुल गांधी SIR की आड़ में घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस देश की जनता उनके एजेंडे को अच्छी तरह समझती है। शाह ने कहा- मैं राहुल और उनके साथियों से कहना चाहता हूं कि 2029 में एक बार फिर करारी हार के लिए तैयार रहें। 2029 के लोकसभा चुनाव में NDA भारी बहुमत से जीत हासिल करेगा और कांग्रेस को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ेगा। इस देश की जनता पीएम मोदी, भाजपा और NDA के साथ खड़ी है। आप इस सच्चाई को नकार नहीं सकते। शाह ने चुनाव नतीजों के लिए बैलेट मशीनों को जिम्मेदार ठहराने वालों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन चुनावों का वह जिक्र कर रहे हैं, वे बैलेट पेपर से कराए गए थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

केंद्रीय मंत्री मुरुगन का इस्तीफा, राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ी

पीएम को 5 पेज की चिट्ठी लिखी, कहा- तमिलनाडु में बीजेपी को मजबूत करेंगे

अलविदा

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने अपने पद से इस्तीफा देने की बात कही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पांच पेज के पत्र में उन्होंने मंत्री पद की जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाने और राज्यसभा की सदस्यता छोड़ने की इच्छा जताई है। मुरुगन ने कहा कि वह तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मजबूत करने के लिए अपना समय देना चाहते हैं। अपने पत्र में मुरुगन ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश और तमिलनाडु की सेवा करने को अपने जीवन का बड़ा सम्मान बताया। उन्होंने अपनी साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए बताया कि वह गरीब परिवार से आते हैं और उनके माता-पिता मजदूरी करते थे। एल. मुरुगन की पारिवारिक पृष्ठभूमि साधारण रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने पर जोर

एल. मुरुगन तमिलनाडु के रहने वाले हैं और मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। उनका राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल 2030 तक निर्धारित था। उन्होंने तमिलनाडु में पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव की इच्छा जताई है। मुरुगन तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अविनाशी (अनुसूचित जाति) सीट से भी चुनाव लड़ चुके हैं। उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, वह चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे और उन्हें 56,200 से अधिक वोट मिले।

फास्ट न्यूज

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस की सुनवाई रुकी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस की सुनवाई पर रोक लगा दी। यह केस 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए बयानों से जुड़ा है। मामला महाराष्ट्र की ट्रायल कोर्ट में चल रहा था।

बंगाल में हिंदू दुकानों से बिरयानी लें पोस्टर्स पर विवाद

कोलकाता। दुर्गा पूजा से पहले ही पश्चिम बंगाल में पोस्टर्स विवाद छिड़ गया है। सिलीगुड़ी में कई जगह ऐसे पोस्टर्स चिपकाए गए हैं, जिनमें हिंदू दुकानों से ही मांस और बिरयानी खरीदने की अपील की गई है। ये पोस्टर्स हिंदू जागरण मंच की ओर से लगाए गए हैं। संगठन के प्रतिनिधि अभिषेक दास ने कहा है कि उन्होंने खुद ये पोस्टर्स लगाए हैं। उन्होंने कहा- इन पोस्टर्स के जरिए हम हिंदू जागरण मंच की ओर से हिंदू एकता का संदेश देना चाहते थे।

नकल करते पकड़े जाने पर साहिल ने माफी मांगी थी

मुंबई। IIT बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे ने परीक्षा में नकल करते पकड़े जाने के बाद संस्थान को लिखित माफी दी थी। पुलिस के मुताबिक, साहिल ने माना था कि उसने परीक्षा की अच्छी तैयारी नहीं की थी। उसने अपनी गलती स्वीकार करते हुए दूसरा मौका देने की मांग की थी। मुंबई क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रही है।

आशुतोष और सौरव दास जंतर-मंतर से हिरासत में

सरकार ने कल से ही यहां प्रोटेस्ट बैन किया

- जंतर-मंतर पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने हाथ में तिरंगा लहराते हुए नारेबाजी की।
- पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।
- जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में पुलिसबल की तैनाती की गई।
- हिरासत में लिए जाने के बाद आशुतोष रांका ने वीडियो जारी किया।

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। दोनों CJP समर्थकों के साथ जंतर-मंतर पर पहुंचे और नारेबाजी कर रहे थे, जिसके बाद पुलिस ने सभी को पकड़ लिया। CJP ने हिरासत में लिए गए नेताओं का वीडियो जारी किया। रांका ने कहा, 'ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक प्रोटेस्ट जंतर-मंतर पर ही होगा।

दंगाई जेल के अंदर उर्स मना रहे, 68 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ाया

अब माफियाओं की पैंट गीली हो जाती है : योगी

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी



बरेली। सीएम योगी ने मंगलवार को कहा- पहले जब भी पर्व या त्योहार आता था तो बरेली में दंगा शुरू हो जाता था। अब दंगाई जेल के अंदर उर्स मनाने का काम कर रहे हैं। अब कोई दंगा करेगा तो उसे मालूम है कि दंगे की क्या कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा- बाप, दादाओं की कमाई से भी हाथ धोना पड़ेगा। अब यूपी की पहचान उत्सव से है। डराने वाले खुद डरे हुए हैं। जब यूपी पुलिस की गाड़ी दिखती है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पहले जो सरकार थी, वो भी कछुआ चाल चलती थी

योगी ने कहा- बोर्ड परीक्षा की तारीख घोषित हो गई है। मुख्य परीक्षा सिर्फ 14 दिन में पूरी हो जाएगी। अगले 14 दिन के अंदर रिजल्ट आ जाएगा। पहले 6 महीने लगते थे। तीन महीने परीक्षा में, 3 महीने परिणाम आने में। पहले जो सरकार थी, वो भी कछुआ चाल चलती थी। केचुए की तरह रेंगते थे। अब बुलेट ट्रेन की स्पीड वाली सरकार है।



प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था

योगी ने कहा- देश या प्रदेश की पहचान वहां की शिक्षा व्यवस्था से होती है। कभी यूपी अपनी शिक्षा व्यवस्था के लिए जाना जाता था। जैसे-जैसे आजादी के बाद सरकारों के एजेंडे से शिक्षा हटती गई, उसका दुष्परिणाम प्रदेश की व्यवस्था पर पड़ा।

कानून व्यवस्था पर भी पड़ा। 2017 आते-आते ये हाल हो गए थे कि प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया। शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर दिया गया था।

सीएम ने कहा- MLC प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लो ने कहा कि हमारे शिक्षकों को कैशलेस की सुविधा मिलनी चाहिए तो हमने कहा कि ये भी कोई मांगने की बात है, ये हमारा दायित्व है।

मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी, हम स्वयं देंगे। सरकार आगे चलने दीजिए, CBSE वालों को भी देंगे।

मांग : जितना समय लगे, आंदोलन जारी रहेगा, इंडिया ब्लॉक की 8 दिन में छठी बैठक

ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेकर रहेंगे : राहुल

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। SIR के खिलाफ और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर INDIA ब्लॉक के नेताओं ने राहुल गांधी के घर चाय पर बैठक की। करीब दो घंटे चली इस बैठक के बाद सभी नेता एक साथ बाहर आए और मीडिया को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेना हमारा मिशन है। इसमें जितना भी समय लगे, एक दिन, एक साल या दो साल, हमारा आंदोलन जारी रहेगा। राहुल ने कहा कि विपक्ष लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने के लिए अंत तक संघर्ष करेगा। आठ दिन में यह विपक्षी नेताओं की छठी बैठक थी। इसमें सुप्रिया सुले, डी. राजा, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद के. सुरेश समेत कई नेता शामिल हुए। CPI(M) नेता एमए बेबी ने कहा- भाजपा वोट, विरोध प्रदर्शन की जगह और लोकतंत्र को छीन रही है। राहुल गांधी ने कहा- विपक्ष का संघर्ष जारी रहेगा और वह अपने लक्ष्य तक पहुंचकर रहेगा। उन्होंने कहा कि इसमें कल, परसों या दो साल भी लग जाएं, उनकी टीम रुकने वाली नहीं है।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी की 5 बड़ी बातें



- सरकार ने तय कर लिया है कि जंतर-मंतर का इस्तेमाल लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के लिए नहीं किया जा सकता। हम सरकार की इस सोच को चुनौती देंगे।
- नरेंद्र मोदी, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार और अन्य लोगों को समझना होगा कि संविधान को नुकसान पहुंचाकर बच निकलना इतना आसान नहीं होगा। एसे लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा
- देश में लोकतंत्र को नष्ट कर दिया गया है। चुनावी व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया गया है और संविधान को फाड़कर फेंक दिया गया है।
- यह लड़ाई हमारे लिए नहीं, भारत के लोगों और उनके भविष्य के लिए है। हम सभी मिलकर देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने के लिए अंत तक लड़ेंगे।
- कोई भी संस्था अपनी भूमिका निभाए या न निभाए, राजनीतिक विरोध जारी रहेगा, जनता का संघर्ष जारी रहेगा और अंत में उसकी जीत होगी।

कांग्रेस चुनाव आयुक्तों को राज्यपाल-मंत्री बनाती थी : पीयूष

सीईसी रहते एमएस गिल को पद्म विभूषण देना क्या रिश्वत नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस पर अपने शासन के दौरान चुनाव आयुक्तों को राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) रहते एमएस गिल को पद्म विभूषण देना क्या रिश्वत नहीं थी। गोयल ने कांग्रेस के पुराने फैसलों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों और चुनाव अधिकारियों को बाद में राजनीतिक पद दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव हारने पर चुनाव आयोग पर सवाल उठाती है, लेकिन जीतने पर चुनाव प्रक्रिया को सही बताती है। गोयल ने राहुल गांधी से 10 सवाल करते हुए उन्हें वोट चोरी के आरोपों के सबूत देने और चुनाव आयोग के सामने हलफनामा दाखिल करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा- पिछले कुछ दिनों से हम राहुल गांधी का व्यवहार, उनके दोहरे मापदंड और बचकानी हरकतें देख रहे हैं। कांग्रेस चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है, लेकिन अपना पुराना रिकॉर्ड भूल जाती है। राहुल गांधी हर दिन वोट चोरी की बात करते हैं। चुनाव आयोग की आलोचना करते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

राजधानी में बाढ़, मिले 34 नए डेंगू के मरीज

संकट

रिवर फ्रंट और हनुमान मंदिर में घटा पानी, नवरात्र में चंद्रिका देवी मंदिर बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । 15 दिनों से बाढ़ के हालात बने हुए हैं। 5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा परेशानी फैजुल्लागंज में है। यहां 50 से 60 हजार से अधिक घर आधे से ज्यादा पानी में डूबे हैं। कुछ इलाकों में जलस्तर घटा है, लेकिन लोगों की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। सड़कों पर नाव चल रही हैं। घरों के बाहर खड़ी कारें और बाइकें पानी में डूबी हैं। घरों में रखा राशन खराब हो गया है। कई परिवार घर छोड़कर किराए के मकानों में रहने को मजबूर हैं।

जलभराव के कारण मां चंद्रिका देवी धाम मंदिर बंद है। वहीं, रिवर फ्रंट पार्क और पातालपुरी लेटे हनुमान मंदिर में करीब डेढ़ फीट पानी कम हुआ है। गोमती नदी का जलस्तर भी थोड़ा घटा है। इधर,



शहर में डेंगू के मामले बढ़ने लगे हैं। पिछले 24 घंटे में 34 नए मरीज मिले हैं। सर्दी, जुकाम और बुखार की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे लोगों की जांच में डेंगू की पुष्टि हो रही है। लोहिया, केजीएमयू और बलरामपुर अस्पताल में डेंगू के मरीज भर्ती हो रहे हैं। फैजुल्लागंज की सुभाष चंद्र बोस कॉलोनी में बाढ़ के बीच एक बच्चे की तबीयत खराब हो गई। परिवार बच्चे को इलाज के लिए ले जाना चाहता है, लेकिन नाव नहीं मिल पा रही। पानी भरने के कारण बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। परिवार नाव मिलने का इंतजार कर रहा है। लखनऊ के

15वें दिन रिवर फ्रंट पार्क में घटा पानी, डेढ़ फीट नीचे आया जलस्तर

गोमती नदी के बढ़े जलस्तर के बीच राहत की खबर है। 15वें दिन रिवर फ्रंट पार्क में करीब डेढ़ फीट पानी कम हुआ है। कर्मचारियों के मुताबिक, पहले पार्क की चार सीढ़ियां पानी में डूबी थीं, अब सिर्फ दो सीढ़ियां ही डूबी नजर आ रही हैं।

बाढ़ क्षेत्र में पुलिस मुस्तैद, एसीपी अलीगंज ले रहे हालात का जायजा

लखनऊ के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पुलिस लगातार मुस्तैद है। एसीपी अलीगंज शशि प्रकाश मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा ले रहे हैं। पुलिस टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी कर रही है और लोगों की सुरक्षा का ध्यान रख रही है।

फैजुल्लागंज इलाके में जलभराव के कारण कई मकानों में चार फीट तक पानी भरा हुआ है। प्रशासन की ओर से अब तक किसी भी नाव या पुख्ता राहत की व्यवस्था न होने के कारण स्थानीय निवासियों को भोजन, राशन, बिजली और साफ पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

ड्रोन से दवा के छिड़काव की तैयारी

इलाके में संक्रमण और मच्छरों के बढ़ते खतरे को देखते हुए ड्रोन के जरिए दवा का छिड़काव करने की तैयारी की जा रही है। इससे प्रभावित क्षेत्रों में दवा पहुंचाने और मच्छरों के प्रकोप को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल में निदेशक डॉ. बीकेएस चौहान ने बुखार समेत संक्रामक रोगों से भर्ती मरीजों के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को दी जा रही ट्रीटमेंट की व्यवस्था का जायजा लिया। शहर में डेंगू के मामले बढ़ने के बीच अस्पताल प्रशासन मरीजों के उपचार और व्यवस्थाओं पर नजर रख रहा है।



> लखनऊ के फैजुल्लागंज इलाके में जलभराव के कारण कई मकानों में चार फीट तक पानी भरा हुआ है। प्रशासन की ओर से अब तक किसी भी नाव या पुख्ता राहत की व्यवस्था न होने के कारण स्थानीय निवासियों को भोजन, राशन, बिजली और साफ पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

फैजुल्लागंज की मंगल कॉलोनी में पानी का संकट, दूर से बाल्टी भरकर ला रहे लोग

फैजुल्लागंज की मंगल कॉलोनी में बाढ़ के बीच लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। बिजली न आने से पानी की समस्या और बढ़ गई है। लोगों को काफी दूर से बाल्टियों में पानी भरकर लाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे कई बार मदद की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई राहत नहीं मिली है। बाढ़ के बीच पीने के पानी के लिए भी लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

फास्ट न्यूज

विद्यार्थियों ने किया उत्तर प्रदेश विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण

लखनऊ। जागरण इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कानपुर के 30 विद्यार्थियों एवं दो शिक्षकों के दल ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा भवन, सदन की कार्यप्रणाली तथा प्रदेश की विधायी एवं संसदीय व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की।

लखनऊ में बोरे में मिला शव, सिर कूंचा गया

बख्शी का तालाब । लखनऊ में बोरे में एक युवक का शव मिला है। पैर का हिस्सा एक बोरे में और सिर दूसरे बोरे से ढका गया था। युवक का सिर कूंचा हुआ है। सिर, गर्दन, पेट और हथेली में जख्म हैं और पूरा शरीर खून से लथपथ मिला है। पुलिस शिनाख्त की कोशिश कर रही है। युवक के शरीर पर मैरून रंग शर्ट और जींस की पैंट है।

शव सोमवार रात करीब 11:30 बजे बख्शी का तालाब इलाके में अचरामऊ से मलाक जाने वाले कच्चे रास्ते पर मिला। पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। शव की तस्वीर शिनाख्त के लिए आसपास के थानों और जिलों में भेज दी गई है।

सर्वोदय विद्यालयों के स्टूडेंट्स को फ्री कोचिंग का मौका

लखनऊ। इंजीनियरिंग और मेडिकल की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है। जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में 12वीं के साइंस स्ट्रीम के स्टूडेंट्स को JEE और NEET की फ्री कोचिंग का मौका मिलेगा। दक्षणा फाउंडेशन इसके लिए JDST-2027 परीक्षा के जरिए स्टूडेंट्स का चयन करेगा। चुने गए स्टूडेंट्स को एक साल तक कोचिंग दी जाएगी।

एलडीए में रजिस्ट्री कैंप शुरू एक जगह पूरी होगी प्रक्रिया

3 दिन तक चलेगा शिविर, बसंतकुंज और ट्रांसपोर्ट नगर की संपत्तियों की भी होगी रजिस्ट्री

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में संपत्तियों की रजिस्ट्री कराने के लिए अब आवंटियों को अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मंगलवार से एलडीए भवन के कमेटी हॉल में तीन दिन का विशेष रजिस्ट्री कैंप शुरू हुआ है। यह कैंप 13 से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें एलडीए और रजिस्ट्री कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एक ही जगह मौजूद रहेंगे। जरूरत पड़ने पर कैंप की अवधि बढ़ाई जा सकती है। एलडीए के अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा ने बताया कि कई आवंटियों की रजिस्ट्री अलग-अलग स्तर पर अटकी रहती है। इसके लिए उन्हें कभी एक पटल तो कभी दूसरे पटल पर जाना पड़ता है। इसी परेशानी को दूर करने के लिए कैंप लगाया गया



है। यहां आवंटी एक ही जगह पर दस्तावेज तैयार कराने से लेकर रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी करा सकेंगे। कैंप में बसंतकुंज योजना के फ्लैटों की रजिस्ट्री के मामलों को भी निपटाया जाएगा। इसके अलावा ट्रांसपोर्ट नगर में फ्रीहोल्ड से जुड़े ऐसे कई मामले हैं, जिनकी रजिस्ट्री होनी है। इन संपत्तियों के आवंटियों को भी कैंप से राहत मिलने की उम्मीद है। एलडीए के मुताबिक, जिन आवंटियों ने अपनी संपत्ति की पूरी कीमत जमा कर दी है, उन्हें कॉल सेंटर के माध्यम से रजिस्ट्री कराने की सूचना दी जा रही है। वहीं, जिन आवंटियों ने 80 प्रतिशत या उससे अधिक भुगतान कर दिया है, उन्हें शेष धनराशि जमा करके रजिस्ट्री कराने के लिए कहा जा रहा है।

कैंप के जरिए लंबित रजिस्ट्रियों को पूरा करने की कोशिश की जा रही है। तीन दिन में कितने मामलों का निस्तारण होता है, इसके आधार पर जरूरत पड़ने पर शिविर की अवधि बढ़ाई जा सकती है।

सपा अध्यक्ष ने खाद्य पदार्थों और घरेलू सामान की बढ़ती कीमतों पर उठाए सवाल

अखिलेश यादव का आरोप : भाजपा की मुनाफाखोरी से बढ़ी महंगाई

- त्योहारों पर जनता परेशान
- सरकार बनने पर लोहिया की 'दाम बांधो नीति' लागू करने का किया वादा
- 2027 में सरकार बनने पर महंगाई रोकने का वादा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महंगाई को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों, मुनाफाखोरी और कालाबाजारी के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है। खाद्य पदार्थों से लेकर कपड़े, जूते और घरेलू सामान तक की कीमतों में बढ़ोतरी से आम जनता और गरीब परिवारों के सामने जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि महंगाई और बेरोजगारी से परेशान जनता भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने का फैसला कर चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर महंगाई पर नियंत्रण करने के लिए कदम उठाए जाएंगे और जनता को राहत दी जाएगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार डॉ. राममनोहर लोहिया के सिद्धांतों पर चलते हुए 'दाम बांधो नीति' लागू करेगी, ताकि आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाया जा सके। यह बयान समाजवादी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी की ओर से जारी किया गया।



मुनाफाखोरी और कालाबाजारी पर उठाए सवाल

सपा अध्यक्ष ने कहा कि सरकारी विभागों के आंकड़े भी महंगाई की स्थिति को दर्शाते हैं, लेकिन भाजपा सरकार पर इसका कोई असर नहीं पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई से होने वाले मुनाफे का लाभ भाजपा को चंदे के रूप में मिलता है। अखिलेश यादव ने कहा कि त्योहारों के दौरान आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। उनके मुताबिक, बड़े व्यापारी और पूंजीपति जनता से अधिक कीमतें वसूल रहे हैं।

> अखिलेश यादव ने कहा कि डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतें पहले से ही अधिक हैं। त्योहारों के मौसम में तेल, दाल, सब्जी, दूध, घी और चीनी सहित रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं के दाम बढ़ने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई ने त्योहारों की खुशियों को फीका कर दिया है और सरकार बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण करने में विफल रही है।

जालंधर, अंबाला, मुरादाबाद और लखनऊ में आयोजित शिविरों में 550 अधिकारियों व कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

उत्तर रेलवे ने ओएचई अपग्रेडेशन कार्यों की संरक्षा और गुणवत्ता पर दिया जोर

- सुरक्षित रेल परिचालन और तकनीकी मानकों के पालन पर चर्चा
- आपात स्थिति से निपटने की तैयारी पर चर्चा
- संरक्षा पहले, गुणवत्ता से समझौता नहीं

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उत्तर रेलवे ने 2x25 केवी ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) अपग्रेडेशन कार्यों में संरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अक्टूबर 2026 में चार प्रमुख स्थानों पर संगोष्ठी-सह-संवाद शिविर आयोजित किए। इन शिविरों का आयोजन एक अक्टूबर को जालंधर, पांच अक्टूबर को अंबाला, नौ अक्टूबर को मुरादाबाद और 12 अक्टूबर को लखनऊ में किया गया। अभियान में कुल 550 अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

शिविरों का मुख्य उद्देश्य निर्माणाधीन ढांचागत परियोजनाओं में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के साथ संरक्षा संस्कृति और गुणवत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इसमें 42 अधिकारी, मंडलीय टीआरडी के 169 कर्मचारी, अंबाला और लखनऊ की विद्युतीकरण परियोजना इकाइयों के 112 कर्मचारी तथा ठेकेदारों और एजेंसियों के 227 कर्मचारी शामिल हुए। शिविरों में खराब मौसम के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, दुर्घटना की रिपोर्टिंग और बचाव व्यवस्था से संबंधित जानकारी साझा की गई। अधिकारियों, परियोजना इकाइयों के कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों और ठेकेदारों की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करते हुए सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन के लिए जवाबदेही तय करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही कार्यस्थलों पर सामने आने वाले संभावित खतरों, तकनीकी चुनौतियों और पूर्व में हुई संरक्षा संबंधी घटनाओं के अनुभव साझा किए गए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

> उत्तर रेलवे ने स्पष्ट किया कि इन महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निष्पादन में कर्मचारियों की सुरक्षा, निर्बाध ट्रेन परिचालन और रेल परिसंपत्तियों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है। रेलवे का मार्गदर्शक सिद्धांत है- संरक्षा पहले, गुणवत्ता हमेशा, कोई शॉर्टकट नहीं और कोई समझौता नहीं।

कर्मचारियों की सुरक्षा और रेल परिसंपत्तियों के संरक्षण पर जोर

सत्रों में कर्मचारियों की सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) के अनिवार्य उपयोग और सुरक्षित कार्यप्रणाली पर विशेष जोर दिया गया। रेलवे ट्रैक के आसपास क्रेन, जेसीबी और अन्य भारी मशीनों के सुरक्षित संचालन के साथ ट्रैक, सिग्नलिंग, दूरसंचार और रेल परिचालन को सुरक्षित रखने के उपायों पर भी चर्चा हुई। ओएचई अपग्रेडेशन के तहत फाउंडेशन कास्टिंग, मास्ट इरेक्शन, एलाइनमेंट और ग्राउटिंग जैसे कार्यों में स्वीकृत ड्राइंग, तकनीकी विनिर्देशों और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने की आवश्यकता बताई गई। इसके अलावा मौजूदा रेल ढांचे और विद्युतयुक्त ओएचई के नजदीक फीडर वायर, एईसी और बीईसी से जुड़े कार्यों को सुरक्षित तरीके से पूरा करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

राजधानी में 32 करोड़ की मॉर्फिन बरामद, 2 गिरफ्तार

पिस्टल-कारतूस, कैश और कार बरामद

छापेमारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । ANTF और दुबग्गा पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 6.400 किलो संदिग्ध मॉर्फिन, एक पिस्टल और छह कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, बरामद मॉर्फिन की कीमत करीब 32 करोड़ रुपये है।

आरोपियों की पहचान बाराबंकी के कुर्सी थाना क्षेत्र स्थित मोहसंद टिकैतगंज गांव निवासी जुहैल (25) और अमजद (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से 16,170 रुपए नकद, छह मोबाइल फोन, एक स्कूटी और हुंडई वेन्यू कार भी बरामद की है। एसीपी बीनू सिंह के मुताबिक, ANTF लखनऊ यूनिट और दुबग्गा पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार देर रात करीब 11 बजे दुबग्गा थाना क्षेत्र के महिपत मऊ गांव में कार्रवाई की। यह इलाका अंधे की चौकी के अंतर्गत आता है। छापेमारी के दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, बरामद संदिग्ध पदार्थ में 3.600 किलो सूखा पाउडर और 2.800 किलो गीला पदार्थ शामिल है। गीला पदार्थ पिंडी के आकार में था। दोनों का कुल वजन 6.400 किलो है। मौके से केमिकल और अन्य सामग्री भी बरामद हुई है। पुलिस ने सभी सामान कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।



संबोधन : कार्यक्रम की अध्यक्षता विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ने की

पं. नारायण दत्त तिवारी का जीवन सार्वजनिक सेवा और विकास के प्रति समर्पण का प्रतीक : सतीश महाना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि स्वर्गीय पं. नारायण दत्त तिवारी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक संस्था और एक युग थे। वे विकास की आधारशिला रखने वाले ऐसे राजनेता थे, जिनका संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित रहा।

माननीय अध्यक्ष ने कहा कि पं. नारायण दत्त तिवारी की योग्यता और प्रशासनिक क्षमता का वर्णन शब्दों में करना कठिन है। प्रदेश का शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो उनके व्यक्तित्व से परिचित न हो। उन्होंने उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तथा केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन



> महाना आज इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ के मुख्य सभागार में आयोजित पं. नारायण दत्त तिवारी जन्म शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधान परिषद सदस्य श्री पवन सिंह चौहान ने की।

किया। विकास के अनेक क्षेत्रों में उन्होंने नई शुरुआत की और दूरदर्शी सोच के साथ विकास की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि संस्थाएं निरंतर चलती रहती हैं, लेकिन उनसे जुड़े व्यक्तियों को अपने कार्यों से ऐसी पहचान छोड़नी चाहिए, जिसे आने वाली पीढ़ियां याद रखें। किसी व्यक्ति की कमियों के आधार पर पूरी संस्था का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। हर क्षेत्र में अच्छे और कमजोर दोनों प्रकार के लोग हो सकते हैं, लेकिन संस्था की गरिमा और महत्व बना रहता है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अम्मार रिजवी ने कहा कि श्री सतीश महाना ने भारत के अंदर ही नहीं, बल्कि भारत के बाहर भी उत्तर प्रदेश विधानसभा का नाम रोशन किया है। उन्होंने विधानसभा को आधुनिक, तकनीक-सक्षम और प्रभावी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री पवन सिंह चौहान ने पं. नारायण दत्त तिवारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन सार्वजनिक जीवन में सक्रिय लोगों के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा।





प्रशासनिक क्षमता के साथ-साथ लोगों से जुड़ने की अद्भुत क्षमता

महाना ने कहा कि पं. तिवारी में प्रशासनिक क्षमता के साथ-साथ लोगों से जुड़ने की अद्भुत क्षमता थी। उन्होंने विधानसभा की गरिमा को सदैव ऊंचा रखा। उनके विधानसभा में दिए गए 30,872 वक्तव्य उनके व्यापक संसदीय अनुभव और विषयों पर उनकी पकड़ को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा के ऐप पर उपलब्ध उनके वक्तव्यों को नई पीढ़ी को पढ़ना चाहिए और उनके जीवन से कुछ सीखने का प्रयास करना चाहिए।

यूपी भाजपा के किसान-महिला और एसटी मोर्चा के जिलाध्यक्ष घोषित

महिला मोर्चा में सभी क्षेत्रों में नियुक्तियां, एसटी मोर्चा में तीन क्षेत्रों में ही बनी टीम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी ने अपने अग्रिम मोर्चों के संगठन विस्तार का अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को पार्टी ने किसान मोर्चा, अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चा और महिला मोर्चा के जिलाध्यक्षों की सूची जारी की। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में जिलाध्यक्ष नियुक्त किए हैं। किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौधरी ने भी कई जिलों में नई नियुक्तियां की हैं। एसटी मोर्चा में फिलहाल कानपुर, काशी और गोरखपुर क्षेत्र के जिलों में ही अध्यक्षों की घोषणा की गई है।

महिला मोर्चा की नियुक्तियों में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन का ध्यान रखा गया है। गाजियाबाद में आरती मिश्रा, बागपत में मीनाक्षी



सिसोदिया, मुरादाबाद महानगर में सुनीता सैनी, आगरा महानगर में अपूर्वा जादौन और आगरा जिला में मनीषा सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। कानपुर देहात में डॉ. दीपिका सिंह सेंगर और कानपुर ग्रामीण में श्वेता सिंह को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। लखनऊ महानगर में अर्चना साहू, लखनऊ जिला में सुनीता पांडेय, बाराबंकी में रामेश्वरी मिश्रा और अयोध्या जिला में अंजू पांडेय को महिला मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। काशी क्षेत्र में वाराणसी महानगर से प्रज्ञा पांडेय, वाराणसी जिला से किरण मिश्रा को जिम्मेदारी मिली है।

किसान मोर्चा में भी नई नियुक्तियां

किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौधरी ने भी जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है। रामपुर में ऋषि पांडेय, मुरादाबाद जिला में अनुज विश्नोई और बुलंदशहर में ललित प्रधान को जिम्मेदारी दी गई है। ब्रज क्षेत्र में आगरा महानगर से रवि राजपूत और आगरा जिला से अशोक चाहर को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। पीलीभीत में शरदपाल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कानपुर क्षेत्र में कानपुर उत्तर से शैलेंद्र सिंह, कानपुर दक्षिण से अजय प्रताप सिंह और कानपुर ग्रामीण से अनुराग शुक्ला को किसान मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। झांसी में कृष्ण चंद्र तिवारी को जिम्मेदारी मिली है।

16 से 21 अक्टूबर तक होगा दुर्गा पूजा महोत्सव

तैयारी

हरदोई में माता की चौकी, छप्पन भोग और गरबा-डांडिया होंगे आकर्षण

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। दुर्गा पूजा आयोजन समिति की ओर से आयोजित होने वाले छह दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मंगलवार, 13 अक्टूबर को आयोजन समिति की अध्यक्ष एवं मुख्य यजमान डॉ. कीर्ति सिंह ने प्रेस वार्ता कर महोत्सव के कार्यक्रमों और धार्मिक अनुष्ठानों की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने नगरवासियों और श्रद्धालुओं से परिवार सहित महोत्सव में शामिल होकर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की। समिति के अनुसार, 16 से 21 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस महोत्सव में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, माता की चौकी, कन्या भोज, छप्पन भोग और गरबा-डांडिया रास का आयोजन किया जाएगा।



16 अक्टूबर को प्रतिमा स्थापना के साथ शुरू होंगे धार्मिक अनुष्ठान

डॉ. कीर्ति सिंह ने बताया कि महोत्सव की शुरुआत 16 अक्टूबर को मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ होगी। इस दौरान धार्मिक परंपराओं के अनुसार अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। पुरोहित पंडित मनोरंजन चतुर्वेदी पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों को विधिपूर्वक संपन्न कराएंगे। महोत्सव में मां दुर्गा की आराधना, पुष्पांजलि और आरती सहित विभिन्न धार्मिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

17 अक्टूबर को दीप प्रज्वलन के साथ होगा उद्घाटन समारोह

महोत्सव के दूसरे दिन 17 अक्टूबर को शाम 7:30 बजे उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से होगी। इसके बाद सरस्वती वंदना, गणेश वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किए जाएंगे। मां दुर्गा की आकर्षक झांकी भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेगी।



18 अक्टूबर को सजेगी माता की चौकी

महोत्सव के तीसरे दिन 18 अक्टूबर को शाम 7:30 बजे माता की चौकी का आयोजन होगा। इस दौरान मां भगवती की स्तुति और भक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालु माता की आराधना कर धार्मिक वातावरण में सहभागी बन सकेंगे। समिति का उद्देश्य महोत्सव के माध्यम से लोगों को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ना है।

19 अक्टूबर को कन्या भोज और सांस्कृतिक कार्यक्रम

19 अक्टूबर को सुबह 10 बजे कन्या भोज आयोजित किया जाएगा। नवरात्रि में कन्या पूजन और कन्या भोज का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इस अवसर पर कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया जाएगा। इसके बाद शाम 7:30 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों में धार्मिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय परंपराओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

20 अक्टूबर को मां भगवती को लगेगा छप्पन भोग, शाम को गरबा-डांडिया

महोत्सव के पांचवें दिन 20 अक्टूबर को सुबह 10 बजे मां भगवती को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा।

21 अक्टूबर को शोभायात्रा और प्रतिमा विसर्जन के साथ होगा समापन

छह दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव का समापन 21 अक्टूबर को होगा। इस दिन दशमी पूजा, अपराजिता पूजा और सिंदूर उत्सव सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद सुबह 10:30 बजे शोभायात्रा प्रस्तावित है। शोभायात्रा के उपरांत मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

बाराबंकी में ग्राम प्रहरियों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज

पुलिस लाइन में सम्मान समारोह, मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने की घोषणा



तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी पुलिस लाइन में मंगलवार को ग्राम प्रहरियों के सम्मान में एक समारोह हुआ। इसमें प्रदेश सरकार के रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जिले के विधायक, एमएलसी और अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। समारोह में राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने ग्राम प्रहरियों के लिए 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस को सूचनाएं देने में ग्राम प्रहरियों की भूमिका अहम है। इस घोषणा से ग्राम प्रहरियों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी खर्चों में राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यह सुविधा किस योजना के तहत मिलेगी और इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। जिले भर से बड़ी संख्या में ग्राम प्रहरी इस कार्यक्रम में पहुंचे थे।

फास्ट न्यूज

रायबरेली में उठी मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग

रायबरेली। आजाद अधिकार सेना ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। संगठन ने रायबरेली में जिलाधिकारी के जरिए राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था और मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा की बात कही गई है। यह ज्ञापन 13 अक्टूबर को सौंपा गया। इसमें चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने और जरूरी सुधार करने की मांग की गई है।

भदोखर थानाध्यक्ष पर ग्रामीणों ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

रायबरेली। रायबरेली के भदोखर थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली और कथित अवैध वसूली को लेकर प्रधानों और ग्रामीणों में नाराजगी सामने आई है। सोमवार देर रात करीब 11:30 बजे सेमरा के प्रधान प्रतिनिधि चंदन सिंह और भखवारा के प्रधान प्रतिनिधि शैलेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने भदोखर थाने का घेराव किया। उन्होंने थानाध्यक्ष राकेश चंद्र आनंद पर रुपये मांगने और अभद्रता करने के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की।

गर्लफ्रेंड की सगाई से पहले बॉयफ्रेंड ने सुसाइड किया

बाराबंकी। बाराबंकी में गर्लफ्रेंड की सगाई से एक दिन पहले बॉयफ्रेंड ने सुसाइड कर लिया। उसने सोमवार रात गर्लफ्रेंड के घर के पीछे प्लास्टिक की रस्सी से पेड़ पर फंदा लगाया और लटककर जान दे दी। मंगलवार सुबह 7 बजे लोगों ने शव पेड़ से लटका पाया। मरने से पहले मोहित वर्मा (25) ने वीडियो भी बनाया।

मथुरा के 470 ग्राम प्रहरियों का बढ़ा मानदेय, अब मिलेंगे 3,500 रुपये प्रतिमाह

तमसा संकेत, संवाददाता



मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 68 हजार ग्राम प्रहरियों के मानदेय में एक हजार रुपये की वृद्धि और पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा की। इसके तहत अब ग्राम प्रहरियों को 3,500 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण मंगलवार को मथुरा पुलिस लाइन में देखा और सुना गया। कार्यक्रम में गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, एमएलसी ओम प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, सीओ सिटी आशना चौधरी और जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी सहित जनपद के ग्राम प्रहरी मौजूद रहे। मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि ग्राम प्रहरी ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने, संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस तक पहुंचाने और कानून-व्यवस्था मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे पुलिस और ग्रामीण जनता के बीच अहम कड़ी हैं। उन्होंने मानदेय वृद्धि और कैशलेस चिकित्सा सुविधा के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि ग्राम प्रहरी गांव में होने वाली गतिविधियों, संभावित विवादों और अफवाहों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी सूचनाएं अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहायक होती हैं। जनपद के 470 ग्राम प्रहरियों को मानदेय वृद्धि और कैशलेस चिकित्सा सुविधा से लाभ मिलेगा। इस घोषणा पर ग्राम प्रहरियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

एक दिन की डीएम बनीं कक्षा 9 की छात्रा तन्वी

स्कूलों में शौचालय और खेल मैदान की कमी पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में कक्षा नौ में पढ़ने वाली तन्वी तिवारी मंगलवार को एक दिन की जिलाधिकारी बनीं। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, नवाबगंज की छात्रा ने डीएम की कुर्सी पर बैठकर करीब 15 से 20 फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी और सड़कों की बदहाल स्थिति का मुद्दा उठाया। संबंधित अधिकारियों से समस्याओं के समाधान की अपेक्षा जताते हुए उन्होंने भविष्य में पढ़ाई करके वास्तविक जिलाधिकारी बनने का संकल्प लिया। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने बताया कि एक दिन का कलेक्टर कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य बच्चों में प्रशासनिक दक्षता विकसित करना और उन्हें भविष्य के लक्ष्यों के लिए प्रेरित करना है। इससे बच्चों को प्रशासनिक व्यवस्था समझने, लोगों की समस्याएं सुनने और समाज के लिए काम करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाना जरूरी है, ताकि वे मेहनत और लगन से अपने लक्ष्य हासिल कर सकें और देशहित में योगदान दें। उन्होंने एक दिन की डीएम बनने के अनुभव को सुखद बताया।



स्कूलों में सुविधाओं की कमी पर जताई चिंता

तन्वी ने कहा कि जिलाधिकारी का काम सिर्फ कार्यालय में बैठकर कागजी कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि गांवों में जाकर स्कूलों की स्थिति का जायजा लेना भी जरूरी है। उनके मुताबिक, कुछ विद्यालयों की व्यवस्थाएं अच्छी हैं, लेकिन कई स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। आधे स्कूलों में खेल मैदान और शौचालय तक नहीं हैं। जिन विद्यालयों में शौचालय हैं, वहां भी साफ-सफाई की स्थिति ठीक नहीं रहती। उन्होंने स्कूलों की व्यवस्थाओं में सुधार पर जोर दिया। एक दिन की डीएम ने सड़कों की खराब स्थिति का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों से जातिकपुर की सड़क समेत जिले की अन्य सड़कों की स्थिति सुधारने की मांग की। साथ ही सड़क निर्माण और मरम्मत से जुड़े टेंडर की प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने की बात कही।

घर गिराए जाने की शिकायत पर आवास दिलाने की अपील

फरियादियों की समस्याएं सुनने के दौरान तन्वी के सामने एक व्यक्ति ने घर गिराए जाने और रहने के लिए मकान की समस्या रखी। तन्वी के अनुसार, फरियादी ने खुद को कमजोर सामाजिक वर्ग से बताते हुए मदद की गुहार लगाई थी। इस पर उन्होंने डीएम से मामले को संवेदनशीलता से देखने और पात्रता के अनुसार संबंधित व्यक्ति को आवास उपलब्ध कराने में मदद करने का अनुरोध किया। तन्वी ने कहा कि वह आगे पढ़ाई करके जिलाधिकारी बनना चाहती हैं और देश की रक्षा के साथ समाज के लिए अच्छे कार्य करना चाहती हैं। उन्होंने एक दिन की डीएम बनने के अनुभव को सुखद बताया। कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें प्रशासनिक कामकाज समझने और जनसमस्याओं के प्रति जिम्मेदारी का अनुभव करने का अवसर मिला।

हरदोई में कक्षा-7 की छात्रा बनी एक-दिन की बीएसए

मिशन शक्ति के तहत संभाली कमान, प्रशासनिक बारीकियों को समझा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) बावन की कक्षा 7 की छात्रा गुड़िया पाल को मंगलवार के दोपहर करीब 12:30 बजे एक दिन के लिए प्रतीकात्मक रूप से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) बनाया गया। यह पहल महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए है। कार्यालय पहुँचने पर हरदोई के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रभात मिश्रा ने गुड़िया पाल का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने छात्रा को बेसिक शिक्षा विभाग की संपूर्ण कार्यप्रणाली, विभागीय संरचना तथा एक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के प्रमुख प्रशासनिक एवं सामाजिक दायित्वों से विस्तार से अवगत कराया। एक दिन की BSA की भूमिका निभाते हुए गुड़िया पाल ने कार्यों को बहुत करीब से देखा और समझा। उसने विभागीय फाइलों, पत्रावली और शासकीय पत्रों का गहन अवलोकन किया। इसके साथ ही जनसुनवाई की प्रक्रिया, विद्यालयों की निरीक्षण प्रणाली, शिक्षकों व विद्यार्थियों से जुड़ी कल्याणकारी योजनाओं और आवश्यक प्रक्रियाओं को गहराई से जाना। दिन भर चले इस प्रशासनिक अनुभव के दौरान गुड़िया पाल ने अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ समझा और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को जानने में गहरा उत्साह दिखाया। यह अनूठा और व्यावहारिक अनुभव उसके भीतर नेतृत्व क्षमता, त्वरित निर्णय लेने की योग्यता, आत्मविश्वास और प्रशासनिक समझ विकसित करने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम बना। बालिकाओं को इस तरह की प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ सौंपकर उन्हें सीधे नेतृत्व का अनुभव देना, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना और उनके भविष्य के सपनों को एक मजबूत आधार प्रदान करना ही 'मिशन शक्ति' अभियान की वास्तविक और सार्थक सफलता है।



इलाज के दौरान पुलिस को चकमा देकर भागा, सब-इंस्पेक्टर ने 300 मीटर दूर पीछा कर पकड़ा

हरदोई मेडिकल कॉलेज से भागा बाल अपचारी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई मेडिकल कॉलेज में 13 अक्टूबर दिन मंगलवार दोपहर 2 बजे इलाज के लिए लाया गया एक बाल अपचारी पुलिसकर्मियों को चकमा देकर अचानक भागने लगा। किशोर के भागते ही पुलिस टीम में हड़कंप मच गया। साथ आए पुलिसकर्मियों ने शोर मचाते हुए उसका पीछा किया।सब-इंस्पेक्टर दिनेश प्रसाद मिश्रा ने भी दौड़ लगाई और अस्पताल से करीब 300 मीटर दूर जाकर किशोर को पकड़ लिया। इसके बाद उसे पुलिस अभिरक्षा में वापस बाल संप्रेषण गृह पहुंचा दिया गया। जानकारी के मुताबिक, बाल संप्रेषण गृह में निरुद्ध किशोर को करीब 10 दिन से शौच नहीं होने की शिकायत थी। इसी समस्या के चलते उसे चिकित्सकीय परीक्षण और उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया था। पुलिसकर्मी किशोर को लेकर अस्पताल की ओपीडी में पहुंचे,जहां उसका उपचार कराया गया। बताया गया कि ओपीडी में उपचार के बाद पुलिसकर्मी दवा के संबंध में जानकारी लेने के लिए नीचे पहुंचे थे।इसी दौरान किशोर ने मौका देखकर भीड़ के बीच से निकलने की कोशिश की और अचानक भागने लगा। कुछ देर तक पुलिसकर्मियों को इसकी जानकारी नहीं हुई,लेकिन उसके भागने का पता चलते ही टीम सक्रिय हो गई।



उपचार के लिए अस्पताल लाया गया

किशोर को भागता देख पुलिसकर्मियों ने शोर मचाया और उसके पीछे दौड़ पड़े।सब-इंस्पेक्टर दिनेश प्रसाद मिश्रा ने भी उसका पीछा किया।अस्पताल परिसर से बाहर निकलने के बाद करीब 300 मीटर दूर जाकर पुलिसकर्मियों ने किशोर को पकड़ लिया।इसके बाद उसे दोबारा पुलिस अभिरक्षा में ले लिया गया।

सब-इंस्पेक्टर दिनेश प्रसाद मिश्रा के मुताबिक,किशोर को स्वास्थ्य संबंधी शिकायत के कारण चिकित्सकीय परीक्षण और उपचार के लिए अस्पताल लाया गया था। उपचार के बाद दवा के संबंध में जानकारी लेने के दौरान वह अचानक भागने लगा था।

पुलिस टीम ने तत्काल पीछा कर उसे पकड़ लिया। घटना के बाद किशोर को वापस बाल संप्रेषण गृह पहुंचा दिया गया।

अस्पताल में किशोर के अचानक भागने और पुलिसकर्मियों के पीछा करने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, पुलिसकर्मियों की तत्परता से किशोर को अस्पताल से अधिक दूर जाने से पहले ही पकड़ लिया गया। घटना के दौरान पुलिस टीम ने उसका पीछा जारी रखा और उसे दोबारा अपनी अभिरक्षा में ले लिया।

योजना : उन्नाव में ग्राम प्रधान और पंचायत अधिकारी की जांच की मांग

प्रधानमंत्री आवास योजना में रिश्वतखोरी का आरोप

- पांच हजार रुपये यूपीआई से भेजने का दावा, पीएम आवास में वसूली के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में मियागंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत सिर्स कन्हर के मजरा सिर्स चेरी में प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटन में भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। मंगलवार दोपहर नर सेवा-नारायण सेवा समिति ने डीएम को शिकायती पत्र देकर ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एक विधवा महिला से आवास दिलाने के नाम पर पांच हजार रुपये लिए गए और बाद में 20 हजार रुपये और मांगे गए। रकम देने से इनकार करने पर महिला को अपात्र घोषित कर दिया गया। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। समिति की ओर से दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार, सिर्स चेरी निवासी चंद्रकली पत्नी स्व. रामपाल का कच्चा मकान बरसात में गिर गया था। महिला ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 29 मई 2024 को ऑनलाइन आवेदन किया था। आरोप है कि आवास आवंटन के नाम पर ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी वेद प्रकाश वर्मा ने सरकारी फीस बताकर पांच हजार रुपये मांगे। यह रकम 11 अगस्त 2025 को महिला के पुत्र रामनाथ के बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से यूपीआई के माध्यम से संजय नाम के व्यक्ति के खाते में भेजी गई। समिति ने भुगतान का स्क्रीनशॉट भी शिकायत के साथ संलग्न करने की बात कही है। शिकायत के मुताबिक, महिला ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत 19 दिसंबर 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी। इसके जवाब में 19 जनवरी 2026 को मियागंज के खंड विकास अधिकारी कार्यालय से जारी पत्र में जांच के बाद महिला को पात्र बताया गया था। आरोप है कि इसके बाद आवास सूची में नाम आने की बात कहकर 20 हजार रुपये और मांगे गए। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण महिला ने रकम देने से इनकार कर दिया। महिला ने 18 जून 2026 को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर दोबारा शिकायत की। समिति का आरोप है कि इस मामले में 15 जुलाई 2026 को जारी जवाब में दूसरी जांच आख्या के आधार पर महिला को अपात्र घोषित कर दिया गया। शिकायत-तकर्ता ने जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। नर सेवा-नारायण सेवा समिति ने जिलाधिकारी से मांग की है कि ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हुए आवंटन और अन्य विकास कार्यों की जांच संबंधित अधिकारियों से अलग किसी निष्पक्ष विभागीय टीम से कराई जाए।





दीवार बनाने पर रिश्तेदारों में मारपीट

उन्नाव। उन्नाव के बांगरमऊ कस्बे में सरोजनी नगर मोहल्ले में सोमवार शाम दीवार खड़ी करने को लेकर रिश्तेदारों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। चौराहे पर हुई मारपीट का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, मौके पर फिलहाल शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस के मुताबिक, घटना बांगरमऊ थाना क्षेत्र के सरोजनी नगर मोहल्ले की है। यहां दीवार खड़ी करने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। दोनों पक्ष आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। विवाद बढ़ने पर दोनों ओर से मारपीट होने लगी। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया।

बाइक की टक्कर से महिला की मौत

चार बच्चों के सिर से उठा मां का साया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र में कोरारी मोड़ के पास सोमवार रात सड़क पार कर रही महिला को बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां से हालत गंभीर होने पर हैलट अस्पताल, कानपुर रेफर कर दिया गया। कानपुर ले जाते समय रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। उसके चार छोटे बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। मृतका की पहचान कोरारी कला निवासी शिखा (35) पत्नी रमेश के रूप में हुई है। वह कोरारी मोड़ पर हौजा स्टोर के पास स्थित आलू मिल में मजदूरी करती थी। परिजनों के मुताबिक, सोमवार सुबह वह रोज की तरह काम पर गई थी। शाम को छुट्टी होने के बाद वह सड़क पार कर रही थी, तभी तेज रफ्तार से आई बाइक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल शिखा को जिला अस्पताल ले गए।



सम्पादकीय

एक जरूरी इनकार



सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने राहुल गांधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करने में असमर्थता जताकर बिल्कुल सही कदम उठाया। जिस मामले की सुप्रीम कोर्ट पहले से ही सुनवाई कर रहा हो, उसे लेकर किसी दल के नेताओं को मुख्य न्यायाधीश से संपर्क एवं संवाद करने का न तो कोई औचित्य है और न ही ऐसी कोई परंपरा रही है। राहुल गांधी शुद्ध संकीर्ण राजनीतिक कारणों से एक नई, किंतु खराब परंपरा स्थापित करने की जो कोशिश कर रहे थे, उसे खारिज किया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य था। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने राहुल गांधी के समक्ष उन कारणों को दो टूक ढंग से स्पष्ट किया कि वे उनसे मुलाकात क्यों नहीं कर सकते? अच्छा हो कि राहुल गांधी को यह समझ आए कि वे हर मामले में मनमानी नहीं चला सकते। उन्हें सुनिश्चित लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के साथ ही आगे बढ़ना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि वे गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करने के आदी हो चुके हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर के मुद्दे पर ही राष्ट्रपति से मुलाकात करने के बाद इतना अधिक बेतुका बयान दिया कि राष्ट्रपति भवन को उसका तुरंत खंडन करना पड़ा।

इस खंडन ने राहुल गांधी को एक अगंभीर एवं अविश्वसनीय नेता के तौर पर ही रेखांकित किया। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक बार वे सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर भी गलत बयानी कर चुके हैं। इसके लिए उन्हें माफी भी मांगनी पड़ी थी, लेकिन उनका रवैया सुधरा नहीं। एसआईआर के मुद्दे को अनावश्यक तूल दे रहे राहुल गांधी ने इस तथ्य की अनदेखी ही कि इस मुद्दे की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश की पीठ की ओर से ही की जा रही है। यदि उन्हें इस मामले में कुछ और कहना-बताना था तो उसका तरीका याचिका ही हो सकता था। आखिरकार उन्हें इसी तरीके का सहारा लेना पड़ा।

वैसे तो राहुल गांधी एक लंबे अर्से से एसआईआर को वोट चोरी बताने में लगे हुए हैं, लेकिन जबसे यह समाचार आया कि एसआईआर के कुछ पहलुओं पर दोनों चुनाव आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त से असहमत थे, तबसे राहुल गांधी नए सिरे से आक्रामक हो गए। हालांकि इस खबर के बाद तीनों चुनाव आयुक्तों ने यह बयान जारी करके स्पष्ट किया कि जो भी असहमतियां थीं, उनका समाधान कर लिया गया था। कायदे से इसके साथ ही इस प्रसंग का पटाक्षेप हो जाना चाहिए था, लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सड़कों पर उतरना आवश्यक समझा। बहती गंगा में हाथ धोने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी के लोग भी मैदान में आ गए। राहुल गांधी और सीजेपी के नेता कुछ भी दावा करें, एसआईआर को लेकर उनका शोरगुल एक शिगूफे से अधिक कुछ नहीं।

विरोधाभासी चरित्र से अमेरिका पर भरोसा कठघरे में





> किसी महाशक्ति के दबाव में आकर अपने आर्थिक हितों की अनदेखी करना न तो व्यावहारिक होगा और न ही दूरदर्शितापूर्ण। यह भी समझना जरूरी है कि रूस से तेल खरीदने का समर्थन करने का अर्थ यूक्रेन में जारी युद्ध का समर्थन करना नहीं है।

दुनिया की महाशक्ति होने का अर्थ यह नहीं कि कोई राष्ट्र अपनी ताकत के मद में चूर होकर पूरी दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने लगे। शक्ति का वास्तविक मूल्य उसकी जिम्मेदारी, न्यायप्रियता और विश्वसनीयता से निर्धारित होता है, न कि इस बात से कि वह कितने देशों को धमका सकता है। दुर्भाग्य से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों में शक्ति के साथ-साथ मनमानी का जो प्रदर्शन दिखाई दे रहा है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है-क्या विश्व व्यवस्था नियमों और सिद्धांतों से चलेगी अथवा शक्तिशाली राष्ट्रों की, मनमानी, सुविधाओं और स्वार्थों से? रूस से डीजल खरीदने के ट्रंप के ताजा फैसले ने इस प्रश्न को और प्रासंगिक बना दिया है। 9 अक्टूबर 2026 को ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के बाद घोषणा की कि रूस अमेरिकी और वैश्विक बाजारों के लिए तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल उपलब्ध कराएगा। इसके बाद नवंबर में पांच लाख टन और आगे दस लाख टन की आपूर्ति की भी घोषणा की गई। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल के आयात पर प्रतिबंधों में अस्थायी छूट भी दी। इस घटनाक्रम की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों ने की है। विडंबना देखिए कि यही अमेरिका कुछ समय पहले रूस से तेल खरीदने वाले देशों को कठघरे में खड़ा कर रहा था। भारत पर रूसी तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया था और रूस के ऊर्जा व्यापार से जुड़े देशों पर और कठोर शुल्क लगाने की व्यवस्था भी सामने आई। अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पारित लिंडसे ओ. ग्राहम सैनसिटोनिंग रसिया एण्ड ईरान ऐक्ट ऑफ 2026 ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की संभावनाओं को कानूनी आधार दिया। अब वही अमेरिका अपनी घरेलू ऊर्जा जरूरतों और बढ़ती कीमतों के दबाव में रूसी डीजल के लिए रास्ता खोल रहा है। प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका को अपनी जनता के हित में ईंधन खरीदना चाहिए या नहीं। प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र को अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का अधिकार है। प्रश्न यह है कि जिस निर्णय को भारत जैसे देशों के लिए नैतिक अपराध और रूस की युद्ध मशीनरी को आर्थिक सहायता देने वाला कदम बताया गया, वही निर्णय अमेरिका के लिए राष्ट्रीय आवश्यकता कैसे बन गया? क्या नैतिकता की परिभाषा राष्ट्र की सीमा बदलते ही बदल जाती है? क्या अंतरराष्ट्रीय नियम केवल कमजोर और कम शक्तिशाली देशों के लिए हैं? अमेरिका की इस नीति का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि वह रूस से होने वाली ऊर्जा खरीद को यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखता रहा है, लेकिन जब अपने देश में डीजल की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा उपभोक्ताओं पर आर्थिक दबाव बढ़ा, तो उसी रूस से आपूर्ति लेने का निर्णय कर लिया। रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका में डीजल की कीमत 8 अक्टूबर को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई थी। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले बढ़ती कीमतें ट्रंप प्रशासन के लिए राजनीतिक चुनौती बन गई हैं। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति की प्राथमिकताओं का अंतर साफ दिखाई देता है। जब भारत अपनी अर्थव्यवस्था, करोड़ों उपभोक्ताओं और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर रूसी तेल खरीदता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है। लेकिन जब अमेरिकी मतदाता महंगे ईंधन से परेशान होते हैं, तब वही नैतिकता पीछे छूट जाती है और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हो जाता है। यह कैसी नीति है, जिसमें दूसरों के लिए सिद्धांत और अपने लिए सुविधानुसार अपवाद निर्धारित किए जाते हैं? दूसरों को उपदेश देना आसान है, लेकिन अपने आचरण को उन्हीं कसौटियों पर कसना कठिन। हिंदी की एक लोकोक्ति है-'पर उपदेश कुशल बहुतेरे।' अमेरिका की मौजूदा नीति पर यह कहावत सटीक बैठती है। जो देश पूरी दुनिया को नियमों के पालन की सीख देता है, उसे सबसे पहले अपने व्यवहार में निरंतरता और पारदर्शिता दिखानी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दोहरे मापदंड केवल विरोधियों को मजबूत नहीं करते, बल्कि मित्र देशों के विश्वास को भी कमजोर कर देते हैं। भारत के संदर्भ में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयातित पेट्रोलियम पर निर्भर रहकर पूरा करता है। ऐसे में तेल की खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, महंगाई, परिवहन, कृषि, उद्योग और आम नागरिक के जीवन से जुड़ा प्रश्न है। वैश्विक बाजार में तेल महंगा होता है तो उसका असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों से लेकर खाद्य पदार्थों और माल ढुलाई तक दिखाई देता है। इसलिए भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ है कि उसे उपलब्धता, कीमत, आपूर्ति की स्थिरता और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले। इसी प्रकार ऊर्जा व्यापार पर प्रतिबंध लगाने की आलोचना का अर्थ किसी देश की सैन्य कार्रवाई का बचाव करना भी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में इन दोनों प्रश्नों को अलग-अलग समझना चाहिए। युद्ध को समाप्त करने, संप्रभुता की रक्षा करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास आवश्यक हैं, लेकिन आर्थिक प्रतिबंधों की प्रभावशीलता और उनके मानदंडों पर भी निष्पक्ष विचार होना चाहिए। यदि किसी देश की ऊर्जा खरीद को युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखा जाता है, तो यही कसौटी सभी देशों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। केवल विरोधी या कमजोर देश पर प्रतिबंध लगाना और अपने संकट के समय उसी स्रोत से आपूर्ति लेना उस नैतिक आधार को कमजोर करता है, जिस पर प्रतिबंधों को उचित ठहराया जाता है। ट्रंप के फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की नाराजगी भी बढ़ाई है। जेलेंस्की ने इस कदम को रूस के लिए लाभकारी बताते हुए चिंता जताई कि इससे पुतिन को युद्ध जारी रखने के लिए आर्थिक संसाधन मिल सकते हैं। अमेरिकी सांसदों में भी इस निर्णय की आलोचना हुई है। ट्रंप का इसके बाद जेलेंस्की को यूक्रेन का नेतृत्व बदलने की सलाह देना मामले को और गंभीर बनाता है। किसी संप्रभु देश का राष्ट्रपति कौन होगा, यह निर्णय उस देश के नागरिकों और उसकी संवैधानिक व्यवस्था का विषय है। यदि अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और स्वतंत्रता का समर्थक बताता है, तो उसे दूसरे देश की राजनीतिक संप्रभुता का सम्मान भी करना चाहिए।

-ललित गर्ग

एक सामान्य भारतीय... — अशोक भाटिया

त्योहारी सीज़न में महंगाई का झटका: आम आदमी की थाली से गायब होती राहत



भारत में त्योहारी सीज़न हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक उल्लास का प्रतीक है। शरद ऋतु की शुरुआत के साथ ही जब देश दुर्गा पूजा, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों की तैयारियों में जुट जाता है, तब बाज़ारों में रौनक और उपभोक्ता माँग चरम पर होती है। लेकिन इस वर्ष का त्योहारी सीज़न आम आदमी के लिए खुशियों के साथ-साथ गहरा आर्थिक तनाव लेकर आया है। मध्यम और निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों की थाली से राहत गायब हो चुकी है। खाद्य पदार्थों की आसमान छूती कीमतों ने रसोई का बजट इस कदर बिगाड़ दिया है कि पकवानों की मिठास फीकी पड़ने लगी है। सब्जियाँ, दालें और खाद्य तेल जैसी बुनियादी चीज़ों के दाम जिस गति से बढ़े हैं, उसने आम आदमी की क्रय शक्ति की कमर तोड़ दी है। इस संकट के बीच केंद्रीय बैंक की हालिया कार्रवाई ने साफ़ कर दिया है कि महंगाई का यह झटका कोई अस्थायी समस्या नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के भीतर गहरे संरचनात्मक असंतुलन का नतीजा है। महंगाई की इसी मार और देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने एक सख्त निर्णय लेते हुए रेपो रेट को 25 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया। फरवरी 2023 के बाद केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में की गई यह पहली बढ़ोतरी है, जिसने बाज़ारों और उपभोक्ताओं दोनों को चौंका दिया है। रिज़र्व बैंक ने न केवल दरों में बढ़ोतरी की, बल्कि अपने नीतिगत रुख को भी 'तटस्थ' से बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है। इसका सीधा अर्थ है कि निकट भविष्य में ब्याज दरों में किसी कटौती की संभावना खत्म हो गई है और आने वाले समय में केंद्रीय बैंक तरलता को और कड़ा कर सकता है। बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया है। यद्यपि देश की जीडीपी ग्रोथ रेट के अनुमान को 7.1 प्रतिशत तक संशोधित किया गया है, लेकिन विकास की यह चमक महंगाई के अंधेरे के सामने फीकी पड़ रही है। आरबीआई की इस कार्रवाई ने आम उपभोक्ता पर दोहरी मार की स्थिति पैदा कर दी है। एक तरफ जनता पहले से ही बाज़ार में महँगी वस्तुओं से त्रस्त है, वहीं दूसरी तरफ रेपो रेट में वृद्धि के कारण होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ब्याज दरें तत्काल बढ़ जाएंगी। त्योहारी सीज़न में ईएमआई के इस बढ़ते बोझ ने लोगों के उत्साह पर पानी फेर दिया है। उच्च ब्याज दरों और महँगी उपभोक्ता वस्तुओं के मेल से बाज़ार में कुल घरेलू खपत में भारी गिरावट आने की आशंका है। मध्यम वर्ग अपनी गैर-जरूरी खर्चों जैसे कि पर्यटन, इलेक्ट्रॉनिक्स और रेस्तरां पर कटौती करने को मजबूर हो रहा है ताकि अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके। केंद्रीय बैंक का मानना है कि ब्याज दरों को बढ़ाकर वह बाज़ार में मांग को नियंत्रित कर सकेगा, लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि यह महंगाई केवल माँग जनित नहीं है, बल्कि आपूर्ति में व्यवधानों का नतीजा है, जिसे केवल मौद्रिक उपायों से नियंत्रित नहीं किया जा सकता।

एक सामान्य भारतीय परिवार के मासिक बजट का सबसे बड़ा हिस्सा भोजन और घरेलू राशन पर खर्च होता है। पिछले कुछ महीनों में टमाटर, प्याज और आलू जैसी बुनियादी सब्जियों की कीमतें अनियंत्रित रूप से बढ़ी हैं। इसके साथ ही अरहर और उड़द जैसी दालों की कीमतें आम आदमी की पहुँच से बाहर होती जा रही हैं। प्रोटीन के सबसे सुलभ स्रोत का इस तरह महँगा होना पोषण सुरक्षा पर भी सवालिया निशान लगाता है। त्योहारी सीजन में तेल और घी की खपत बढ़ जाती है, लेकिन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और घरेलू स्तर पर तिलहन उत्पादन में उतार-चढ़ाव के कारण खाद्य तेलों की खुदरा कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। परिवहन ईंधन की उच्च लागत के कारण खेतों से मंडियों तक सब्जियों और अनाज को पहुँचाने का भाड़ा बढ़ गया है और इस लॉजिस्टिक्स लागत का अंतिम बोझ आम उपभोक्ता की जेब पर ही ट्रांसफर होता है। इस प्रकार, भोजन की थाली से दाल-रोटी की मात्रा कम होती जा रही है और त्योहारों का पारंपरिक उल्लास केवल एक रस्म अदायगी बनकर रह गया है। रिज़र्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध और व्यापारिक मार्गों में गतिरोध के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे 'आयातित महंगाई' बढ़ी है। इसके अलावा अनियमित मानसून, बेमौसम भारी बारिश और सूखे की स्थिति ने देश के कृषि चक्र को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

विश्व स्वास्थ्य ... — जयसिंह रावत

जलवायु परिवर्तन से स्वास्थ्य का संकट भी

जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण और प्राकृतिक आपदाओं तक सीमित नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा, श्रम उत्पादकता और आर्थिक विकास के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। बढ़ता तापमान, वायु प्रदूषण, दवाओं के प्रति रोगाणुओं की बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता और बदलते रोग चक्र विशेषकर गरीब तथा विकासशील देशों के लिए चिंताजनक हैं। अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिका 'द लैंसेट' से जुड़े अध्ययनों और लैंसेट आयोग की रिपोर्टों ने चेताया है कि वर्तमान पर्यावरणीय एवं स्वास्थ्य नीतियों का प्रभाव पूरी शताब्दी तक रहेगा। भारत सहित दक्षिण एशिया में विशाल आबादी, अनियंत्रित शहरीकरण, भीषण गर्मी और कमजोर सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्थाएँ इस संकट को और गंभीर बनाती हैं। वैज्ञानिक इसके वास्तविक प्रभाव का आकलन 'अक्षमता-समायोजित जीवन-वर्ष' के आधार पर करते हैं, जिसमें असमय मृत्यु तथा बीमारी या अक्षमता के कारण खोए स्वस्थ जीवन-वर्ष शामिल हैं। समय रहते प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप से अरबों स्वस्थ जीवन-वर्ष बचाए जा सकते हैं।

अक्टूबर 2026 में बर्लिन के विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन में प्रस्तुत लैंसेट आयोग की रिपोर्ट ने मानव स्वास्थ्य के सामने 17 प्रमुख खतरों की पहचान की है। आयोग ने 204 देशों और क्षेत्रों के आँकड़ों का अध्ययन कर जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, महामारी, दवा प्रतिरोध, कुपोषण, मोटापा, आर्थिक असमानता और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर चुनौतियाँ बताया है। परमाणु युद्ध और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग भी संभावित अस्तित्वगत खतरे माने गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापवृद्धि को 4.4 डिग्री के बजाय लगभग 1.8 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने से वर्ष 2025 से 2100 के बीच करीब 189 करोड़ स्वस्थ जीवन-वर्ष बचाए जा सकते हैं। यह विभिन्न परिदृश्यों पर आधारित अनुमान है, जिसमें विस्थापन और मानसिक स्वास्थ्य जैसे अप्रत्यक्ष प्रभाव पूरी तरह शामिल नहीं हैं। निष्कर्ष स्पष्ट है कि ऊर्जा, परिवहन, औद्योगिक उत्सर्जन और सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी वर्तमान नीतियाँ भविष्य की स्वास्थ्य क्षति निर्धारित करेंगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण से प्रतिवर्ष लगभग 70 लाख असमय मौतें होती हैं। प्रदूषित हवा के सूक्ष्म कण हृदय रोग, पक्षाघात, श्वसन संबंधी बीमारियों और फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ाते हैं। वर्ष 2025 की लैंसेट काउंटडाउन रिपोर्ट के अनुसार 1990 के दशक की तुलना में गर्मी से संबंधित मृत्यु दर 23 प्रतिशत बढ़ी है। भारत में स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद के अध्ययन के अनुसार देश के 734 जिलों में से 417, अर्थात लगभग 57 प्रतिशत, अत्यधिक गर्मी के उच्च अथवा बहुत उच्च जोखिम में हैं। इन क्षेत्रों में देश की लगभग 76 प्रतिशत आबादी रहती है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के अनुसार वर्ष 2024 में लू के 48,156 संदिग्ध मामले और गर्मी से संबंधित 430 मौतें दर्ज हुईं, जिनमें 161 पुष्ट तथा 269 संदिग्ध थीं।

राहुल गांधी का एलन मस्क के सुर में सुर मिलाना चिंताजनक

भारतीय राजनीति में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप लोकतंत्र का हिस्सा हैं। विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए, सरकारी फैसलों की समीक्षा करे और आम नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए आवाज बुलंद करे लेकिन जब किसी विदेशी उद्योगपति के आरोपों पर देश का कोई प्रमुख राजनीतिक नेता प्रतिक्रिया देता है, तब यह विचार करना आवश्यक हो जाता है कि उस प्रतिक्रिया का राष्ट्रीय हित, देश की आर्थिक व्यवस्था और भारत की वैश्विक छवि पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध जरूरी है लेकिन राष्ट्रीय हित और सार्वजनिक जवाबदेही को ध्यान में रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हाल के दिनों में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के बीच सोशल मीडिया पर हुई बातचीत ने इसी विषय को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। एलन मस्क ने भारत में अपनी उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा स्टारलिंक के व्यावसायिक संचालन में हो रही देरी को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली कारोबारी हित उनकी कंपनी के भारत में प्रवेश में बाधा डाल रहे हैं। इस संदर्भ में उन्होंने रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी का नाम लेते हुए भारतीय बाजार में कारोबारी प्रतिस्पर्धा और प्रभावशाली उद्योगपतियों की भूमिका पर सवाल उठाया। इसके बाद राहुल गांधी ने मस्क की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत में उनका स्वागत किया और टिप्पणी की कि दूसरे व्यक्ति के बारे में जानने के बाद उनकी प्रतिक्रिया देखना दिलचस्प होगा। मस्क ने भी राहुल गांधी की प्रतिक्रिया पर जवाब दिया। इस बातचीत के बाद राजनीतिक हलकों में बहस शुरू हो गई कि क्या किसी विदेशी उद्योगपति के आरोपों पर इस तरह प्रतिक्रिया देने से पहले तथ्यों और राष्ट्रीय हित के सभी पहलुओं पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। राहुल गांधी की राजनीति में बड़े उद्योगपतियों और केंद्र सरकार के कथित संबंधों का मुद्दा लंबे समय से प्रमुखता से उठता रहा है।

-संतोष कुमार तिवारी

जरा हटके

पहला, प्रत्येक पात्र... — कमलेश पांडेय

चुनाव आयोग के अधिकारियों को नहीं मतदाता सूची की नीति बदलिए



किसी भी लोकतंत्र की मजबूती के लिए पारदर्शी, विश्वसनीय और समावेशी मतदाता सूची जरूरी है लेकिन भारत के नेताओं और नौकरशाहों के गठजोड़ ने इसे एक हास्यास्पद विषय बना दिया है। यदि प्रत्येक व्यक्ति के जन्मभूमि पर ही मतदाता पहचान पत्र बना दिया जाए और उसके पलायन के बावजूद उसका स्थाई नंबर नहीं बदलने दिया जाए तो इससे बहुत सारे गड़बड़ झाले को रोका जा सकता है। इसे आधार कार्ड से लिंक करने पर व्यक्ति की वास्तविक पहचान भी सुनिश्चित होती है लेकिन हमारी नौकरशाही ऐसा कभी नहीं होने देगी। भारत में राजनीतिक कारणों से जितने पाकिस्तानियों और बांग्लादेशियों के मतदाता पहचान पत्र बनाए गए, उसके लिए तत्कालीन बीएलओ, एसडीएम और डीएम के अलावा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि जिम्मेदार नहीं हैं तो कौन है? क्या कभी इस लापरवाही की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने की कोशिश की गई? इनकी जमीनी लापरवाहियों या राजनीतिक पक्षपात के लिए इन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए न कि राज्य के मुख्य चुनाव आयुक्त और केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अनर्गल आरोप लगाए जाने चाहिए।

एडॉल्फ हिटलर ने कहा था कि यदि तुम एक झूठ को सौ बार दोहराओगे तो वह लोगों को सच लगने लगेगा। जिन नेताओं ने अल्पसंख्यकों की आड़ में, झुग्गी-झोपड़ियों की आड़ में गलत मतदाता पहचान पत्र बनवा लिए, जब एसआईआर में ये पकड़ में आने लगे तो विपक्ष का बेचैन होना स्वाभाविक है। चाहे कांग्रेस हो भाजपा हो या क्षेत्रीय दल, अब इस खेल में सभी पारंगत दिख रहे हैं। यदि नौकरशाही तभी इस खेल को पकड़ लेती तो आज चुनाव आयोग को इतनी कड़ी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। इस पूरे खेल में ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगरपालिका, नगर निगम, विधानसभा और लोकसभा की मतदाता सूची में जो गड़बड़झाला है, उसे भी यदि समय रहते नहीं रोका गया तो मतदाताओं को न्याय मिल पाएगा, इस बात की कोई गारंटी नहीं है क्योंकि हर चुनाव में मतदाता सूची बदल जाना राजनीतिक व प्रशासनिक खेल नहीं तो क्या है? हर चुनाव के वक्त कुछ ऐसे वास्तविक लोग मिल जाएंगे जिनके नाम ही मतदाता सूची से गायब मिलेंगे। आखिर इस लापरवाही के लिए सरकारी अधिकारियों की जिम्मेदारी कौन सुनिश्चित करेगा। इस बात में कोई दो राय नहीं कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति मतदाता के मताधिकार में निहित है। यह अधिकार तभी सार्थक है जब प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो और कोई अपात्र व्यक्ति गलत तरीके से उसमें शामिल न रहे। इसलिए मतदाता सूची तैयार करने, उसमें संशोधन करने और उसकी शुद्धता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि कोई अधिकारी इसमें लापरवाही बरतता पाया जाता है तो उसके लिए भी सख्त सजा का प्रावधान हो।

जब भी मतदाता सूची में गड़बड़ियों, नाम कटने, दोहरी प्रविष्टियों अथवा पात्र मतदाताओं के छूट जाने की शिकायतें सामने आती हैं तो चुनाव आयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल उठने लगते हैं लेकिन क्या हर समस्या के लिए मैदानी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों व राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराना उचित है? या हमें उन नीतियों, नियमों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करनी चाहिए, जिनके तहत मतदाता सूची तैयार की जाती है? नए मतदाताओं के नाम जोड़ना और मृतकों के नाम डिलीट करना चुनाव आयोग की वार्षिक जिम्मेदारी है। इस हेतु हर वर्ष अभियान चलाया जाता है। सवाल है कि अधिकारियों की जवाबदेही के साथ नीतिगत सुधार भी जरूरी है। इसके लिए संसद को भी सचेष्ट होना पड़ेगा। मतदाता सूची तैयार करने का काम व्यापक और संवेदनशील है। इसमें करोड़ों नागरिकों के विवरण का सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृत व्यक्तियों के नाम हटाना, स्थानांतरित नागरिकों के विवरण का अद्यतन और दोहरी प्रविष्टियों की पहचान जैसे अनेक कार्य शामिल होते हैं। यदि इन प्रक्रियाओं में त्रुटियां होती हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जानबूझकर लापरवाही, पक्षपात या नियमों के उल्लंघन के प्रमाण मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए लेकिन प्रत्येक प्रशासनिक त्रुटि को केवल कर्मचारियों की विफलता मान लेना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। यह भी देखना होगा कि निर्धारित समयसीमा व्यावहारिक है या नहीं, उपलब्ध संसाधन पर्याप्त हैं या नहीं, सत्यापन की प्रक्रिया कितनी सरल है और नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए कितनी आसानी से अवसर मिलता है।

पहला, प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम जोड़ने की प्राथमिकता। मतदाता सूची की शुद्धता का अर्थ केवल गलत नाम हटाना नहीं बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक को सूची में शामिल करना भी है। किसी पात्र मतदाता का नाम हटने या दर्ज न होने से उसके मताधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए नाम हटाने की प्रक्रिया में उचित सूचना, सत्यापन और अपना पक्ष रखने का अवसर सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

दूसरा, नाम काटने की प्रक्रिया पारदर्शी हो। किसी मतदाता का नाम सूची से हटाने के लिए स्पष्ट नियम, सत्यापन योग्य आधार और निर्धारित प्रक्रिया होनी चाहिए।

मां बोली-हत्यारों का खून चाहिए, पीलीभीत में अंधाधुंध फायरिंग में 20 साल के राहगीर की भी जान गई

2 कारोबारी भाइयों की हत्या

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत। पीलीभीत के अमरिया थाना क्षेत्र में रामलीला कमेटी के चंदे को लेकर हुए विवाद में दो सगे कारोबारी भाइयों समेत तीन लोगों की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि उनका एक रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सोमवार रात करीब 9:30 बजे की है। पुलिस के मुताबिक, चंदे को लेकर हुए विवाद के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट और फायरिंग में बदल गई। गोली लगने से चार लोग घायल हो गए। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान तीन लोगों ने दम तोड़ दिया। वारदात के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और मृतकों के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस के अनुसार, रामलीला कमेटी के चंदे को लेकर विवाद हुआ था। सोमवार रात करीब 9:30 बजे कारोबारी भाई दूसरे पक्ष के घर पहुंचे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि दूसरे पक्ष के लोगों ने घर से लाठी-डंडे निकालकर दोनों भाइयों को पीटना शुरू कर दिया। इसके बाद फायरिंग कर दी गई। गोली लगने से दोनों कारोबारी भाई और उनके साथ मौजूद रिश्तेदार घायल हो गए। इसी दौरान रास्ते से गुजर रहा एक राहगीर भी गोली की चपेट में आ गया। घटना के बाद चारों घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दो कारोबारी भाइयों और राहगीर की मौत हो गई। घायल रिश्तेदार का इलाज चल रहा है। मृतक भाइयों के परिवार की जानकारी के मुताबिक, अंकित की शादी तीन साल पहले खुशबू से हुई थी, जबकि मोहित की शादी करीब 10 साल पहले नेहा से हुई थी।



मोहित गुप्ता, मृतक बड़ा भाई | अंकित गुप्ता, मृतक छोटा भाई | कुणाल श्रीवास्तव, मृतक राहगीर

भाई-बहन बोले- हत्यारों का एनकाउंटर हो

मृतक कारोबारी अंकित की चचेरी बहन सेजल ने रोते हुए कहा कि हमें न्याय चाहिए। जिस तरह हमारे भाइयों को तड़पा-तड़पाकर मारा गया है, हत्यारों को भी वैसे ही मारा जाना चाहिए। मृतक के चचेरे भाई अश्विनी गुप्ता ने बताया- घर में अब कोई चिराग जलाने वाला नहीं है। दो-दो भाभियां विधवा हो गई हैं। हत्यारों को उनके किए की सजा मिलनी चाहिए। उनका एनकाउंटर होना चाहिए।



एक ही गली में रहते हैं दोनों पक्ष

बताया गया है कि आरोपियों और मृतकों के घर एक ही गली में करीब 200 मीटर की दूरी पर स्थित हैं। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सूरज गुप्ता सरिया और सीमेंट का कारोबार करते हैं। वहीं, मुख्य आरोपी बताए जा रहे कौशल गुप्ता अपने घर में ही कपड़ों की दुकान चलाते हैं। उनके चाचा संतोष सर्राफा कारोबारी हैं।

वारदात की सूचना पर एसपी सुकीर्ति माधव मिश्रा मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच की। पुलिस ने मुख्य आरोपी कौशल गुप्ता, उसके भाई हर्षित गुप्ता, पिता नरेश गुप्ता, चाचा संतोष गुप्ता और चचेरे भाई रचित गुप्ता समेत 8 लोगों को हिरासत में ले लिया गया है।

दो सगे कारोबारी भाइयों और राहगीर की मौत

इस घटना में जान गंवाने वालों की पहचान मोहित गुप्ता (38), अंकित गुप्ता (30) और कुणाल श्रीवास्तव (18) के रूप में हुई है। मोहित सर्राफा कारोबारी थे, जबकि उनके छोटे भाई अंकित हार्डवेयर का कारोबार करते थे। तीसरा मृतक कुणाल कस्बे के एक बुक डिपो में काम करता था। वह घटना के समय रास्ते से गुजर रहा था। वहीं, गोली लगने से घायल रिश्तेदार की पहचान रोज गुप्ता (20) के रूप में हुई है।

शाकर हत्याकांड में पत्नी और देवर को उम्रकैद

अफेयर का विरोध करने पर गला घोंटकर मारा था

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में मंगलवार शाम को पुरकाजी थाना क्षेत्र के मांडला गांव के शाकर हत्याकांड में विशेष न्यायालय एससी-एसटी एक्ट ने उसकी पत्नी आसिया और देवर सुहैल को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों पर कुल 1 लाख 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। दोनों जून 2023 से जेल में बंद हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आसिया और सुहैल के बीच प्रेम संबंध थे। शाकर को इसकी जानकारी हुई तो उसने विरोध किया। इस बात को लेकर विवाद बढ़ गया। आरोप था कि आसिया और सुहैल ने शाकर की हत्या की साजिश रची और रात में सोते समय चुनरी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को निर्माणाधीन मकान के शौचालय के गड्ढे में छिपा दिया। यह मामला जून 2023 का है। पुलिस ने जांच के दौरान 15 जून 2023 को आसिया और सुहैल की निशानदेही पर शव बरामद किया था। इस दौरान मृतक का बड़ा भाई शोएब भी मौजूद था। शव मिलने के बाद शाकर के पिता फरीद ने दोनों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने विवेचना के दौरान साक्ष्य जुटाकर आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई विशेष न्यायालय एससी-एसटी एक्ट में हुई। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार त्यागी ने अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी की।



फास्ट न्यूज

हरदोई में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम

हरदोई। हरदोई में नवरात्रि, दशहरा और दिवाली के त्योहारों को देखते हुए शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने और अतिक्रमण हटाने के लिए मंगलवार को नगर पालिका परिषद और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान हटाया गया सामान नगर पालिका के वाहनों में ले जाया गया। अभियान का उद्देश्य त्योहारों के दौरान बाजारों और प्रमुख मार्गों पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत दिलाना है।

अनुभव बाजपेयी दिनदहाड़े दुकान में घुसकर चाकू से हमला

गोंडा। गोंडा के करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के हरसिंहपुर में मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे एक युवक चाकू लेकर दुकान में घुस गया। आरोप है कि उसने दुकानदार पर हमला करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को पकड़ लिया और चाकू समेत बालपुर पुलिस चौकी के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, हरसिंहपुर निवासी दुकानदार सत्येंद्र शुक्ला की दुकान पर अभिषेक ओझा नाम का युवक पहुंचा था। आरोप है कि वह चाकू लेकर दुकान में घुसा और दुकानदार पर जानलेवा हमला करने का प्रयास किया। इसी दौरान दुकान में मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया।

जमीन का बैनामा कराने आए व्यक्ति की मौत

कानपुर देहात। कानपुर देहात के रसूलाबाद तहसील में मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे जमीन का बैनामा कराने आए 35 वर्षीय रामू गुप्ता की अचानक मौत हो गई। वह उप निबंधन कार्यालय के दरवाजे पर पहुंचे थे, तभी उनकी जान चली गई। घटना के बाद तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे तो परिवार में चीख-पुकार मच गई।

हेड कॉन्स्टेबल की मौत, सिपाही-ड्राइवर गंभीर, आगरा एक्सप्रेस-वे पर हादसा

पूर्व भाजपा सांसद के काफिले की स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकराई

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज। कन्नौज में भाजपा के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक की एस्कॉर्ट में चल रही स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में एक हेड कॉन्स्टेबल की मौत हो गई। एक सिपाही और ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे हुआ।

सूचना मिलते ही पुलिस और एक्सप्रेस-वे की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को गाड़ी से निकालकर अस्पताल ले जाया गया। जहां घायल सिपाही और ड्राइवर का इलाज किया जा रहा है।

पुलिस ने क्रेन से स्कॉर्पियो को हटवाकर किनारे कराया। पूर्व सांसद सुब्रत पाठक इटावा से कन्नौज जा रहे थे।



तेज स्पीड में डिवाइडर से टकराई स्कॉर्पियो

माना जा रहा है कि हादसे के वक्त सुब्रत पाठक के काफिले की स्कॉर्पियो की स्पीड 110 किमी से भी ज्यादा थी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर माइलस्टोन-145 के पास ड्राइवर ने गाड़ी से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई।

सुब्रत पाठक की गाड़ी से 100 मीटर दूर हुआ हादसा

हादसे के समय पूर्व सांसद सुब्रत पाठक की कार दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो से करीब 100 मीटर आगे चल रही थी। हादसे का पता चलते ही सुब्रत पाठक रुक गए। डायल-112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को हादसे की सूचना दी। इसके बाद सुब्रत पाठक और अन्य लोगों ने बड़ी मुश्किल से गाड़ी में फंसे सभी लोगों को बाहर निकाला।



डिवाइडर से टकराने के बाद स्कॉर्पियो के एयरबैग नहीं खुल पाए।



हादसे के बाद स्कॉर्पियो के बोनट पर भी खून फैल गया।

एमआईईटी के विद्यार्थियों ने सीएसआईआर-सीआरआरआई का किया शैक्षणिक भ्रमण

सड़क निर्माण, राजमार्ग विकास और सड़क सुरक्षा की आधुनिक तकनीकों को जाना

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के बीटेक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने नई दिल्ली स्थित वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद–केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीआरआरआई) का शैक्षणिक भ्रमण किया।

इस दौरान विद्यार्थियों को सड़क निर्माण, राजमार्ग विकास, परिवहन इंजीनियरिंग और सड़क सुरक्षा से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ तकनीकी अनुसंधान और व्यावहारिक कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को सड़क निर्माण की नवीन तकनीकों, राजमार्गों की गुणवत्ता जांच तथा परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने में अनुसंधान की भूमिका के बारे में बताया।



विद्यार्थियों ने सड़क निर्माण से संबंधित तकनीकी प्रक्रियाओं और सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को समझा। विशेषज्ञों के साथ संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को यह जानने का अवसर मिला कि सड़क और राजमार्गों के विकास में वैज्ञानिक अनुसंधान किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

साथ ही, उन्हें इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवाचार और नई तकनीकों के उपयोग की जानकारी भी मिली। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों में लागू करने की प्रक्रिया समझने का अवसर मिला। इससे उन्हें सिविल इंजीनियरिंग के व्यावहारिक पहलुओं के साथ-साथ अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं को जानने में मदद मिली।

यह शैक्षणिक भ्रमण एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल और निदेशक प्रो. (डॉ.) संजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस दौरान सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. सौरभ कुमार तथा संकाय सदस्य कमल कुमार और जाह्नवी ठाकुर उपस्थित रहे।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: डीएम

ईशा प्रिया ने की जनशिकायतों की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और निर्धारित समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में गंभीरता बरती जाए, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्स्ना बंधु की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें विभिन्न विभागों के कामकाज और शिकायतों के निस्तारण की स्थिति पर चर्चा हुई। समीक्षा के दौरान



जिलाधिकारी ने उन विभागों के कामकाज में सुधार लाने पर विशेष जोर दिया, जहां शिकायतकर्ताओं की ओर से सर्वाधिक असंतुष्ट फीडबैक मिल रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों की गंभीरता से जांच करने और निस्तारण की गुणवत्ता पर ध्यान देने के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट किया कि केवल शिकायत का निस्तारण दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाधान ऐसा होना चाहिए जिससे शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक निराकरण हो सके। उन्होंने अधिकारियों से पारदर्शिता बनाए रखने और तय समयसीमा का पालन सुनिश्चित करने को कहा।

ग्राम प्रहरियों के मानदेय में ₹1,000 की बढ़ोतरी, अब हर माह मिलेंगे ₹3,500

पुलिस सहयोग और अपराध नियंत्रण में योगदान के लिए ग्राम प्रहरी सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर अंकुश लगाने में अहम भूमिका निभाने वाले ग्राम प्रहरियों के लिए राहत भरी खबर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के तहत ग्राम प्रहरियों के मासिक मानदेय में 1,000 की वृद्धि की गई है। अब उन्हें 3,500 प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। इसके साथ ही 5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ भी प्रदान किया जाएगा। मंगलवार को पुलिस लाइन अम्बेडकरनगर में प्रदेश के 68 हजार ग्राम प्रहरियों के सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण किया गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों,



- ₹5 लाख तक कैशलेस इलाज की सुविधा भी मिलेगी
- प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने किया उत्साहवर्धन, पुलिस लाइन में मुख्यमंत्री के सम्मान समारोह का हुआ सजीव प्रसारण

प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का संबोधन सुना तथा ग्राम प्रहरियों के योगदान की सराहना की। प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने ग्राम प्रहरियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने, संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने और अपराधों की रोकथाम में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। ग्राम प्रहरी स्थानीय स्तर पर पुलिस और ग्रामीणों के बीच संपर्क की अहम कड़ी के रूप में काम करते हैं। उनकी सतर्कता से पुलिस को समय पर आवश्यक सूचनाएं मिलती हैं, जिससे कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाने में मदद मिलती है। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रहरियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मानदेय में वृद्धि से उन्हें आर्थिक संबल मिलने की उम्मीद है, जबकि 5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के समय उपचार में मददगार साबित होगी।

जलालपुर की सियासत में ऋतेश पांडेय के नाम की चर्चा

भाजपा से संभावित दावेदारी पर टिकी निगाहें

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां धीरे-धीरे तेज होने लगी हैं। अम्बेडकरनगर की जलालपुर विधानसभा सीट पर भी संभावित प्रत्याशियों के नामों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। इसी बीच पूर्व सांसद ऋतेश पांडेय का नाम भी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। भाजपा से उनकी संभावित दावेदारी को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, उनकी उम्मीदवारी को लेकर अभी तक पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। ऋतेश पांडेय ने बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर वर्ष 2019 में अम्बेडकरनगर लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर संसद में अपनी जगह बनाई थी। कम उम्र में सांसद निर्वाचित होने के कारण उन्होंने जिले की राजनीति में अलग पहचान हासिल की।



***कम उम्र में सांसद बनकर बनाई थी पहचान, 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज**

विवाद : डटकर बोलीं- ऊपर चढ़ा दो, अखिलेश ने कहा- मुट्ठी तानो, बीजेपी सरकार बदल डालो

डॉक्टरों का गुस्सा फूटा, पुलिस की गाड़ी रोकी

- डॉक्टरों को हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा से हटाने के लिए पुलिस बस लेकर पहुंची थी। एक महिला डॉक्टर बस के सामने डटकर खड़ी हो गई।
- साथियों को हिरासत में लिए जाने का डॉक्टरों ने विरोध किया। सभी पुलिस की बस के आगे लेट गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में मंगलवार को डॉक्टरों का गुस्सा फूट पड़ा। पुलिस की बस रोक ली। कई महिला डॉक्टरों ने बस को हाथों से धक्का देकर रोकने की कोशिश की। कुछ डॉक्टर बस के आगे लेट गईं और बोलीं- ऊपर चढ़ा दो, हम नहीं हटेंगे। डिप्टी सीएम अपना वादा भूल गए हैं और हम 40 दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं।





"डॉक्टरों का कहना है कि बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम ने बताया था कि मांगों से जुड़ी पत्रावली पूरी हो चुकी है। उन्होंने अगले दिन दोपहर 2 बजे तक समान वेतन समेत सभी मांगों को पूरा करने का शासनादेश जारी होने का भरोसा दिया था। इसके बाद डॉक्टरों ने प्रदर्शन खत्म कर दिया, लेकिन उनका आरोप है कि अब तक शासनादेश जारी नहीं हुआ है।



मामला दोपहर करीब 2 बजे का है। पुलिस ने डॉक्टरों को हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा से जबरन उठाकर धरना स्थल इको गार्डेन लेकर गई है। जिन डॉक्टरों ने विरोध किया, पुलिस ने उन्हें टांगकर बस में भरा। यह प्रदर्शन सरकारी मेडिकल कॉलेजों के 2018, 2019 और 2020 बैच के बॉन्डेड MBBS डॉक्टर कर रहे हैं।

2 सितंबर को डिप्टी सीएम ने दिया था आश्वासन

डॉक्टरों के मुताबिक, 2 सितंबर को हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर करीब एक घंटे तक प्रदर्शन किया गया था। डॉक्टर वेतन में असमानता के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से मुलाकात की मांग पर अड़े थे। डॉक्टरों के मुताबिक, बॉन्ड सेवा के तहत उन्हें दो साल की अनिवार्य सेवा करनी होती है या 10 लाख रुपए के बॉन्ड की बाध्यता होती है। इस दौरान ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों के CHC, PHC समेत अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में तैनाती होती है।

सीतापुर से शुरू हुआ पत्रकारिता का सफर, पीएस मीडिया ग्रुप के संस्थापक बने सुनील कुमार वर्मा

करीब आठ साल पहले पत्रकारिता से जुड़े, अनुभव के साथ मीडिया जगत में बनाई पहचान

तमसा संकेत, संवाददाता

सीतापुर/लखनऊ। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। समाज की समस्याओं को सामने लाने और जनहित के मुद्दों को आवाज देने में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसी क्षेत्र में सीतापुर से अपने करियर की शुरुआत करने वाले सुनील कुमार वर्मा आज PS मीडिया ग्रुप के संस्थापक के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। उनका सफर स्थानीय पत्रकारिता से मीडिया संस्थान की स्थापना तक पहुंचने की यात्रा को दर्शाता है। सुनील कुमार वर्मा का गृह जनपद सीतापुर है। उन्होंने करीब आठ वर्ष पहले पत्रकारिता के क्षेत्र में कदम रखा। पत्रकारिता के शुरुआती दौर में समाचारों के संकलन, जनसमस्याओं की पहचान और स्थानीय मुद्दों को सामने लाने जैसे कार्यों से अनुभव प्राप्त किया। स्थानीय



पत्रकारिता में गांवों, कस्बों और छोटे शहरों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का विशेष महत्व है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और विकास से जुड़े मुद्दों को जनता और प्रशासन के सामने लाना पत्रकारिता की अहम जिम्मेदारियों में शामिल है। पत्रकारिता के क्षेत्र में अनुभव प्राप्त करने के बाद सुनील कुमार वर्मा ने मीडिया जगत में आगे बढ़ने की दिशा में प्रयास जारी रखे। इसी क्रम में वह PS मीडिया ग्रुप के संस्थापक बने। एक पत्रकार के रूप में समाचारों से जुड़ने और मीडिया संस्थान के संस्थापक के रूप में काम करने की जिम्मेदारियां अलग-अलग होती हैं। इसमें समाचारों की गुणवत्ता, टीम के समन्वय, संस्थान के प्रबंधन और पाठकों व दर्शकों का विश्वास बनाए रखने जैसे पहलू महत्वपूर्ण होते हैं। मीडिया के बदलते स्वरूप में समाचारों की विश्वसनीयता, तथ्यों की पुष्टि और निष्पक्षता का महत्व लगातार बढ़ रहा है। किसी भी मीडिया संस्थान की पहचान उसके समाचारों की गुणवत्ता और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने से बनती है। ऐसे में पत्रकारिता के अनुभव को संस्थान के संचालन से जोड़ना एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सुनील कुमार वर्मा का पत्रकारिता से PS मीडिया ग्रुप के संस्थापक तक का सफर मीडिया क्षेत्र में उनकी पेशेवर यात्रा का प्रमुख पड़ाव है।

आईएएस के जुबानी आदेश पर कराया था करोड़ों की नजूल लैंड पर अवैध कब्जा, एफआईआर भी होगी

मुरादाबाद तहसील को इशारों पर नचाने वाला लेखपाल सस्पेंड

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। जिले से ट्रांसफर हो चुके एक IAS के जुबानी आदेश पर शहर के पॉश एरिया में नजूल की करोड़ों रुपए की जमीन पर कब्जा कराने वाले लेखपाल अमर सिंह को एसडीएम सदर ने सस्पेंड कर दिया है। डीएम ने आरोपी लेखपाल के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही करने के आदेश भी दिए हैं। मतलब साफ है कि लेखपाल के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी। वहीं, इस खेल में शामिल दूसरा लेखपाल पंकज हयांकी अभी सस्पेंड होने से बच गया है। जांच रिपोर्ट में पंकज हयांकी का भी नाम है। सूत्र बताते हैं कि इस खेल के पीछे



असल खिलाड़ी एक आईएएस अधिकारी थे, जिनका जिले से ट्रांसफर हो चुका है। इस मामले में इस भूमि पर काबिज श्वेता जैन पत्नी स्व. प्रतीक जैन ने 23 जून 2026 को तत्कालीन कमिश्नर आन्जनेय सिंह को एक प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि लेखपाल अमर सिंह और पंकज हयांकी ने 18 जून 2026 को उनके मकान की बगल में स्थित लॉन में दीवार लगवाकर वंदना अग्रवाल को अवैध रूप से कब्जा करा दिया है, जबकि उनके पास ऐसा करने के लिए किसी सक्षम स्तर का आदेश नहीं था। सहायक पुलिस अधीक्षक को मामले की जांच दी गई थी। बाद में एसडीएम ने भी मामले की जांच की। जांच में एसडीएम ने पाया कि लेखपाल अमर सिंह और पंकज हयांकी ने बगैर किसी प्रशासनिक आदेश के यह कब्जा अवैध रूप से कराया था, जबकि ऐसा करने का अधिकार सिविल न्यायलय के क्षेत्राधिकार में आता है।

रातोंरात एसडीएम बदलवा देता था लेखपाल अमर सिंह

तहसील के सूत्रों का कहना है कि लेखपाल अमर सिंह प्रजापति काफी प्रभावशाली रहा है। अमर सिंह के ससुर प्रदेश सरकार में दर्जा राज्यमंत्री भी रह चुके हैं। अमर सिंह का प्रभाव इस कदर रहा है कि वो सदर तहसील में एसडीएम स्तर के अधिकारियों के तबादले भी रातोंरात करा देता था। पहला मौका है जब उसके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। पूर्व जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने अमर सिंह को कांठ ट्रांसफर किया था, लेकिन 24 घंटे बाद ही अपने आदेश वापस ले लिए थे।

कयूर ज्वैलर्स को कराया था बेशकीमती जमीन पर कब्जा

मामला सिविल लाइंस में पीली कोठी के पास स्थित नजूल भूमि (गाटा संख्या 430) से जुड़ा है। पॉश एरिया में स्थित इस 732.05 वर्ग मीटर भूमि पर हलके के लेखपाल अमर सिंह और लेखपाल पंकज हयांकी ने बगैर किसी प्रशासनिक आदेश के 18 जून 2026 को वंदना अग्रवाल पत्नी आलोक अग्रवाल को अवैध रूप से कब्जा करा दिया था। वंदना अग्रवाल के पति जाने-माने सराफ हैं। सिविल लाइंस में ही एकता द्वार के पास कयूर ज्वैलर्स के नाम से उनका ज्वेलरी शोरूम है।

66 इस पूरे प्रकरण की फाइल 12 अक्टूबर को डीएम अनुनय झा के सामने रखी गई। डीएम ने मामले में आरोपी लेखपाल को सस्पेंड करने और इनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने के भी निर्देश दिए हैं। जिसके बाद 13 अक्टूबर को लेखपाल अमर सिंह को निलंबित कर दिया गया है।

बगैर लिखित आदेश लेखपालों ने खड़े होकर करा दिया कब्जा

एसडीएम सदर अभय सिंह ने लेखपाल अमर सिंह के निलंबन आदेश में कहा है कि, नजूल भूमि गाटा संख्या 430, रकबा 732.05 वर्ग मीटर वंदना अग्रवाल पत्नी आलोक कुमार अग्रवाल निवासी 37, गली मंडी बांस मुरादाबाद के पक्ष में फ्री होल्ड की गई थी।

वंदना को पट्टाधिकार रजिस्ट्री द्वारा मिला था। लेकिन मौके पर कब्जा हस्तांतरित नहीं कराया गया था। जबकि कब्जा हस्तांरित करना शासनादेश के अनुसार अनिवार्य था। इसलिए इस फ्रीहोल्ड को नियमानुसार सही नहीं माना गया है।

IAS के कहने पर कराया गया कब्जा, नपे केवल लेखपाल कयूर ज्वैलर्स को नजूल लैंड पर कब्जा कराए जाने का मामला पिछले दो-ढाई महीने से शहर में बच्चे-बच्चे की जुबान पर है।

मिशन शक्ति ने टूटने से बचाया परिवार

सुलह के बाद साथ रहने को राजी हुए पति-पत्नी

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। मिशन शक्ति-6.0 अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस ने घरेलू विवाद में पति-पत्नी के बीच सुलह कराकर परिवार को टूटने से बचाने की पहल की। डेम्पियर नगर निवासी महिला ने अपने पति पर मारपीट, गाली-गलौज और शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए मिशन शक्ति हेल्पडेस्क टीम ने दोनों पक्षों को थाने बुलाकर काउंसलिंग की। पुलिस के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद मिशन शक्ति हेल्पडेस्क टीम ने पति-पत्नी की बात सुनी और उन्हें आपसी संवाद के माध्यम से विवाद सुलझाने के लिए समझाया। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों के बीच बातचीत कराई गई, जिससे उनके बीच की गलतफहमियां दूर हुईं। इसके बाद पति-पत्नी ने आपसी सहमति से साथ रहने का निर्णय लिया। महिला स्वेच्छा से अपने पति के साथ ससुराल चली गई। पुलिस की इस पहल से पारिवारिक विवाद का आपसी सहमति के आधार पर समाधान हुआ। 13 अक्टूबर 2026 को जारी प्रेस नोट के अनुसार, थाना कोतवाली पुलिस ने मिशन शक्ति-6.0 अभियान के तहत मामले में काउंसलिंग कराई। अभियान के माध्यम से महिलाओं की शिकायतों के समाधान और पारिवारिक विवादों में संवाद स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से महिलाओं की शिकायतों के समाधान और पारिवारिक विवादों में संवाद स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

फास्ट न्यूज

दिवाली-छठ से पहले ट्रेनों में सीटें फुल

आगरा। दिवाली और छठ पूजा पर घर जाने की तैयारी कर रहे यात्रियों के लिए कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। आगरा से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में 12 से 20 अक्टूबर तक स्लीपर और एसी कोच में लंबी वेटिंग चल रही है। गोवा एक्सप्रेस के स्लीपर में सबसे ज्यादा 78 यात्रियों की वेटिंग है। 10 अक्टूबर को दिल्ली में एक संगठन के प्रदर्शन के चलते आगरा-दिल्ली रूट की करीब दो दर्जन ट्रेनें रद्द हुई थीं।

मुरादाबाद में युवक की हत्या

मुरादाबाद। मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस समय हड़कम्प मच गया जब घर के अंदर सोए हुए एक ग्रामीण की अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला करके हत्या कर दी। युवक का रक्तरंजित शव घर के भीतर ही पड़ा मिला है। घटना के समय युवक घर पर अकेला था। मर्डर की सूचना पर ठाकुरद्वारा थाना पुलिस और एसपी देहात कुंवर आकाश भी घटनास्थल पर पहुंचे। एसपी ग्रामीण ने बताया कि मंगलवार ठाकुरद्वारा की फरीदनगर रोड स्थित गैस गोदाम के पास रहने वाले प्रमोद का शव उसके घर मे पड़ा मिला।

आगरा में नारी सम्मान और सेवा का संगम

आगरा। आगरा में अग्रवंश सेवा ट्रस्ट की ओर से दयालबाग स्थित द ग्रांड सेलिब्रेशन रिजॉर्ट में महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव सामाजिक एकता और उत्साह के साथ मनाया गया। ट्रस्ट की ओर से समाजसेवी रमाशंकर अग्रवाल को अग्रवंश भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। इसके साथ ही 101 अग्रवंशियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में डांडिया की प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सवमय बना दिया।

युवक को बंधक बनाकर हथौड़े से पीटा

साइड नहीं देने पर भड़के कार सवारों ने दौड़ाकर मारा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र में सड़क पर साइड देने को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने तीन युवकों को पीट दिया। आरोप है कि हमलावरों ने जैद को कार में डालकर अगवा किया और घर ले जाकर बंधक बना लिया। वहां लाठी-डंडों से पीटने के बाद उसके मुंह पर हथौड़े से वार किया। इससे जैद के दो दांत टूट गए। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुख्य आरोपी शादाब उर्फ कल्लन समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। मझोला थाना क्षेत्र के आजाद नगर निवासी शादान पुत्र शराफत हुसैन ने पुलिस को दी



शिकायत में बताया कि उसका भाई जैद अपने साथी आतिफ पुत्र इरशाद और आकिल पुत्र शमशाद के साथ बाइक से आजाद नगर जा रहा था। पीर का बाजार के पास सामने से आ रही कार को साइड देने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। आरोप है कि कार सवार शादाब उर्फ कल्लन और उसके साथ मौजूद दो अन्य लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने जैद और उसके दोनों साथियों को घेरकर लात-घूंसों से पीटा।

एएमयू में 17 अक्टूबर को मनेगा सर सैयद डे

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज होंगे शामिल, प्रो. हुसैन नसर को मिलेगा अवार्ड

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में 17 अक्टूबर को होने वाले सर सैयद डे समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह मुख्य अतिथि होंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सत्य वीर सिंह और भारतीय नौसेना अकादमी के प्रिंसिपल रियर एडमिरल एसएम उरूज अथर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं, गुजरात के केपी ग्रुप के संस्थापक डॉ. फारूक जी. पटेल विशेष अतिथि होंगे। छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर चल रहा धरना-प्रदर्शन खत्म होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने समारोह की तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार देर शाम प्रशासन ने प्रमुख अतिथियों के नामों की घोषणा की। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क कार्यालय के अनुसार, मुख्य



समारोह गुलिस्तां-ए-सैयद में सुबह 10:45 बजे शुरू होगा। रजिस्ट्रार प्रो. आसिम जफर स्वागत भाषण देंगे। इसके बाद सर सैयद इंटरनेशनल और नेशनल अवार्ड दिए जाएंगे। अंत में कुलपति प्रो. नईमा खातून अध्यक्षीय भाषण देंगी। छात्र कल्याण संकाय के डीन प्रो. एम. अतहर अंसारी धन्यवाद ज्ञापन करेंगे। सर सैयद इंटरनेशनल अवार्ड अमेरिका की जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के प्रो. हुसैन नसर को दिया जाएगा। वहीं, नेशनल अवार्ड कर्नाटक के गुलबर्गा स्थित ख्वाजा एजुकेशन सोसाइटी को मिलेगा। इसके अलावा अखिल भारतीय निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

अतिथि और छात्र भी रखेंगे विचार

समारोह में डॉ. फारूक जी. पटेल, रियर एडमिरल एसएम उरूज अथर और न्यायमूर्ति सत्य वीर सिंह संबोधित करेंगे। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह का संबोधन अंत में होगा। छात्र प्रतिनिधि आयशा जमाल और अबू दाउद के साथ शिक्षक प्रो. अजरा मुसावी और प्रो. मोहम्मद अली जौहर भी अपने विचार रखेंगे।

छह बजे से शुरू होंगे कार्यक्रम

सर सैयद डे के कार्यक्रमों की शुरुआत सुबह छह बजे विश्वविद्यालय की मस्जिद में कुरआन ख्वानी से होगी। सुबह सात बजे सर सैयद अहमद खान के मजार पर चादर चढ़ाई जाएगी। सुबह 9:30 बजे सर सैयद हाउस में उनकी लिखावट और पुस्तकों पर आधारित प्रदर्शनी लगेगी। इसी दौरान पुस्तक विमोचन भी होगा।

सर सैयद डे हर साल एएमयू के संस्थापक सर सैयद अहमद खान की याद में मनाया जाता है। इस मौके पर आधुनिक शिक्षा, सामाजिक सुधार और उनके विचारों को याद किया जाता है। इस बार छात्र आंदोलन खत्म होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन का जोर समारोह की तैयारियां समय पर पूरी करने पर है।









आगरा में भाजपा महिला मोर्चा को मिले नए अध्यक्ष, अपूर्वा महानगर और मनीषा जिले की कमान संभालेंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। भाजपा महिला मोर्चा में संगठनात्मक बदलाव करते हुए अपूर्वा सिंह को महानगर अध्यक्ष और मनीषा सिंह को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने प्रदेश के विभिन्न जिलों और महानगरों के अध्यक्षों की सूची जारी की है। दोनों नवनियुक्त पदाधिकारी क्षत्रिय समाज से आती हैं, लेकिन उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि अलग-अलग रही है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति पर यह नियुक्तियां की गई हैं। अपूर्वा सिंह इससे पहले भाजपा महिला मोर्चा की महानगर उपाध्यक्ष थीं। वह छात्र जीवन से ही संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रही हैं। उन्होंने वर्ष 2008 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़कर राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेना शुरू किया था। वह एमएस-डब्ल्यू पास हैं और सामाजिक



कार्य विषय में पीएचडी कर रही हैं। वर्ष 2021 में उन्हें भाजपा महिला मोर्चा की महानगर उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली थी। मनीषा सिंह को भाजपा महिला मोर्चा में जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा में शामिल होने से पहले वह शिवपाल सिंह यादव की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) से जुड़ी थीं। वर्ष 2017 में उन्होंने इसी पार्टी के टिकट पर फतेहपुर सीकरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। चुनाव में 15 प्रत्याशियों के बीच वह 11वें स्थान पर रही थीं और उन्हें 1,040 वोट मिले थे। बाद में शिवपाल सिंह यादव की समाजवादी पार्टी में वापसी के बाद मनीषा सिंह भाजपा में शामिल हो गईं। अब पार्टी ने उन्हें महिला मोर्चा में जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर संगठन को मजबूत करने का अवसर दिया है। वर्ष 2021 में उन्हें भाजपा महिला मोर्चा की महानगर उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली थी। मनीषा सिंह को भाजपा महिला मोर्चा में जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा में शामिल होने से पहले वह शिवपाल सिंह यादव की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) से जुड़ी थीं।

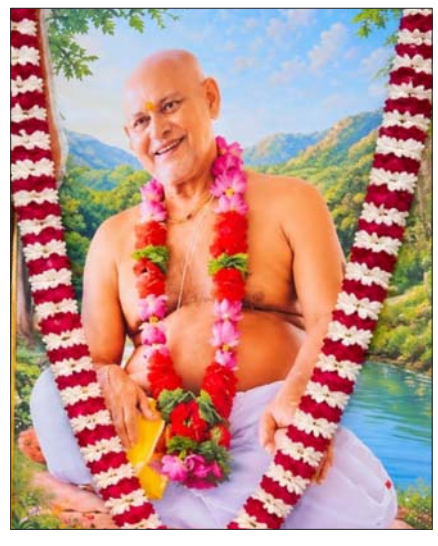
ब्रज के संत शिरोमणि रमेश बाबा को गोपाल वैष्णव पीठ ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

गौसेवा, ब्रज संस्कृति संरक्षण और राधारानी की भक्ति के लिए समर्पित रहा बाबा का जीवन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। मान मंदिर बरसाना के संत शिरोमणि रमेश बाबा महाराज के निकुंज लीला प्रवेश पर गोपाल वैष्णव पीठ, गोपाल मंदिर मथुरा में शोक सभा आयोजित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गोपाल पीठाधीश्वर आचार्य यदुनंदन महाराज के नेतृत्व में संतों, आचार्यों, सेवायतों और भक्तों ने बाबा महाराज के आध्यात्मिक योगदान का स्मरण करते हुए एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

आचार्य यदुनंदन महाराज ने कहा कि रमेश बाबा महाराज का गोलोकगमन ब्रजभूमि, संत समाज, गौभक्तों और सनातन संस्कृति के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका संपूर्ण जीवन राधारानी की भक्ति, गौसेवा, ब्रजभूमि की रक्षा और धर्म-



संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित रहा। उनका गोपाल वैष्णव पीठ के प्रति भी असीम स्नेह था। उनकी तपस्या और सेवाभाव सदैव समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। माथुर चतुर्वेद विद्यालय के पूर्व प्राचार्य आचार्य कुंज किशोर महाराज ने कहा कि रमेश बाबा महाराज ने अपनी साधना को लोकमंगल और ब्रजसेवा का माध्यम बनाया। गौसेवा, ब्रजभूमि की पवित्रता और राधा-कृष्ण भक्ति के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। पीठ के प्रबंधक मकरंद छोटू बाबा ने कहा कि रमेश बाबा महाराज का जीवन भक्ति, त्याग, सेवा और ब्रज के प्रति समर्पण का आदर्श था। उपीठ परिवार ने राधारानी से प्रार्थना की कि वे दिवंगत संत को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके अनुयायियों सहित समस्त ब्रजवासियों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

इन्होंने अर्पित की श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में गोपाल पीठाधीश्वर आचार्य यदुनंदन महाराज, कुंज किशोर बाबा, मकरंद बाबा, नवनीत बाबा, हलधर बाबा, पारे बाबा, दाऊजी चतुर्वेदी, भाजपा नेता सचिन चतुर्वेदी, सुभाष चतुर्वेदी, मयंक पाठक, सुमित चतुर्वेदी, रसिक चतुर्वेदी सहित समस्त गोपाल वैष्णव पीठ परिवार एवं भक्त परिकर शामिल रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

भारत ने दुनिया को ...

इन सबके बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हर सेक्टर में काम करने के तरीके बदल रहा है। दुनिया के सामने बड़ा सवाल भरोसे का है। भरोसा ये कि जरूरत के समय सप्लाई जारी रहेगी। भरोसा ये कि जो वादे किए वो निभाए जाएंगे। संकट के समय पार्टनर कंट्री साथ रहेगी। भारत इसी सोच के साथ सामने है। पीएम ने कहा- फॉसिल फ्यूल का लक्ष्य हासिल करने वाला भारत पहला जी-20 देश बना। ये केवल कमिटमेंट पूरा करने की बात नहीं थी, ये अपनी जर्नी पूरी करने की बात थी। प्रधानमंत्री ने कहा- ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में विदेश से कई बड़ी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें ब्लूमबर्ग के संस्थापक माइकल ब्लूमबर्ग, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, इटली के पूर्व प्रधानमंत्री और यूरोपीय सेंट्रल बैंक के पूर्व अध्यक्ष मारियो द्रागी, अमेरिका की पूर्व वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो, मॉडर्ना के सह-संस्थापक नौबार अफेयान, सिस्को के सीईओ चक रॉबिंस, ब्लैकस्टोन के अध्यक्ष जोनाथन ग्रे और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के गवर्नर क्रिस्टोफर वॉलर शामिल हैं। ये नेता और कारोबारी वैश्विक अर्थव्यवस्था, निवेश, तकनीक और बदलते अंतरराष्ट्रीय आर्थिक समीकरणों पर चर्चा करेंगे। पीएम ने कहा- हम टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए पैसा सीधे अकाउंट में पहुंचाने की व्यवस्था बनाई है।

राहुल एसआईआर ...

शाह ने दावा किया कि इससे भाजपा की जीत के लिए बैलेट मशीनों को जिम्मेदार ठहराने का तर्क खारिज होता है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में 33 साल से कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री नहीं बना है और पश्चिम बंगाल में कांग्रेस 54 साल से कोई चुनाव नहीं जीती है। शाह ने राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या इन नतीजों को भी SIR से जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि SIR 2024 के बाद लागू हुआ, जबकि कांग्रेस उनके प्रमुख नेता, पार्टी अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद से लगातार चुनाव हार रही है। अमित शाह ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी ने कुल 104 सीटों में से 90 सीटें जीती हैं। उन्होंने दावा किया कि गुजरात के मतदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मजबूती से खड़े हैं। शाह ने कहा- आम आदमी पार्टी ने सभी 32 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन हर सीट पर उसकी जमानत जब्त हो गई।

केंद्रीय मंत्री मुरुगन ...

उनके पिता लोगनाथन और मां वरुदम्मल तमिलनाडु के नमक्कल जिले के कुनूर गांव में दिहाड़ी मजदूरी करते थे। मुरुगन अनुसूचित जाति के अरुंथथियार समुदाय से आते हैं। उनके केंद्रीय मंत्री बनने के बाद भी उनके माता-पिता की दिनचर्या में खास बदलाव नहीं आया था। बताया जाता है कि मुरुगन के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रहने के दौरान भी उनके पिता लोगनाथन कोरोना महामारी के समय टीका लगवाने के लिए आम लोगों की तरह कतार में खड़े हुए थे। उनकी मां वरुदम्मल ने बेटे की उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा था कि उन्होंने बेटे का भविष्य बनाने के लिए कुछ विशेष नहीं किया, लेकिन उसने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। मंत्री बनने की खबर मिलने के बाद भी उनके माता-पिता ने खेतों में काम करना नहीं छोड़ा था। मुरुगन ने अपने इस्तीफे के पीछे तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में संगठनात्मक गतिविधियों के लिए पूरा समय देने की बात कही है। उनके इस फैसले के बाद अब तमिलनाडु में भाजपा के संगठनात्मक कामकाज में उनकी भूमिका पर नजर रहेगी। मुरुगन ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिपरिषद में काम करने को अपने जीवन का बड़ा सम्मान बताया है।

अब माफियाओं की ...

तो माफियाओं की पैंट गीली होती दिखाई देती है। यूपी माफिया मुक्त हो चुका है। ये बातें योगी ने शिक्षक सम्मेलन में 9 जिलों से आए शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने शिक्षक कोटे से MLC प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लो के लिए वोट करने की अपील की। इससे पहले, योगी ने बरेली में प्रदेश के 68 हजार ग्राम प्रहरियों (चौकीदारों) का मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया। अब तक ग्राम प्रहरियों को 2500 रुपए मिलते थे, जिसे बढ़ाकर 3500 रुपए कर दिया गया है। इसके साथ उन्हें और उनके परिवार को 5 लाख तक कैशलेस इलाज की सुविधा भी दी जाएगी। योगी ने कहा- पहले जो सत्ता में थे, वही लूट-खसोट करते थे। ऐसे में पकड़ा किसको जाए। जो रहनुमा थे, वही चोर भी थे।

ज्ञानेश कुमार का ...

उन्होंने कहा- जिस ऊर्जा, ताकत और एकजुटता के साथ हमने आंदोलन किया है, उसी भावना के साथ मिलकर लड़ते रहेंगे। AISA अध्यक्ष नेहा बोरा ने कहा- अगर BJP सोचती है कि वह लोकतंत्र की नींव पर हमला कर सकती है और जब लोग अपने वोटिंग अधिकारों की मांग के लिए सड़कों पर उतरें, तो उनका विरोध करने का अधिकार भी छीन लिया जाएगा और वे चुप रहेंगे, तो BJP गलतफहमी में है। TMC सांसद सागरिका घोष ने कहा कि हर दिन यह और साफ हो रहा है कि ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व वाला चुनाव आयोग भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों को खत्म कर रहा है। उन्होंने कहा- जब तक ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व वाला चुनाव आयोग बना रहेगा, तब तक भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं होंगे। राहुल गांधी ने कहा- इस देश में लोकतंत्र बर्बाद कर दिया गया है। चुनाव व्यवस्था को भी खत्म कर दिया गया है। संविधान को फाड़कर फेंक दिया गया है। हम देश में लोकतांत्रिक शासन, सही मायने में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल करने के लिए एक साथ लड़ रहे हैं। प्रशांत भूषण ने कहा कि दिल्ली में वोट चोरी और SIR के खिलाफ 2 अक्टूबर से आंदोलन शुरू किया गया था, लेकिन सरकार ने इसे कुचल दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया और आंसू गैस चलाई गई। भूषण ने कहा कि आंदोलन को रोका नहीं जा सकता, क्योंकि विरोध प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि अब इस विरोध में कई और संगठन शामिल होंगे। किसान संगठनों के साथ सिविल सोसाइटी और ट्रेड यूनियन भी आंदोलन में शामिल होंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि विपक्ष एकजुट है और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई जारी रखेगा। उन्होंने कहा- हम सब लोग एकजुट हैं। जो कुर्बानी देनी होगी, वह सब मिलकर देंगे। देश गांधी जी का देश है। जो भी संवैधानिक संस्थाओं को हाईजैक करने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ हम लड़ते रहेंगे। तेजस्वी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र को धोखा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने कठपुतली की तरह काम किया है और उन्हें इसकी सजा जरूर मिलेगी।

कांग्रेस चुनाव ...

और उसके लिए कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन बार-बार कहने के बावजूद उन्होंने चुनाव आयोग के सामने एक भी हलफनामा दाखिल नहीं किया। अगर उनके पास सबूत हैं, तो उन्हें सामने रखें और शपथ लेकर अपने आरोपों की पुष्टि करें। अगर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) इतनी बड़ी समस्या थी, तो बिहार में इसके दौरान राहुल गांधी चुप क्यों रहे? उन्होंने तब आवाज क्यों नहीं उठाई? तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में SIR की प्रक्रिया के दौरान कांग्रेस ने नाम जोड़ने या हटाने के लिए एक भी दावा क्यों दाखिल नहीं किया? उस समय कांग्रेस कहां थी? पहले सरकार ही चुनाव आयुक्तों को नियुक्त करती थी। किसी से सलाह या चर्चा नहीं होती थी। सरकार जिसे चाहती थी, उसे चुनाव आयुक्त या मुख्य चुनाव आयुक्त बना देती थी। 2023 में पीएम मोदी की सरकार एक नया कानून लेकर आई। इसके तहत चयन समिति में नेता प्रतिपक्ष को भी सदस्य बनाया गया। अब प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष मिलकर तय करते हैं कि कौन चुनाव आयुक्त और कौन मुख्य चुनाव आयुक्त बनेगा।

मेंस कैटेगरी में सबसे ज्यादा, विमेंस में शेफाली वर्मा को चुना गया

गिल 5वीं बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

सेंचुरी

नई दिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को सितंबर का ICC प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। यह पांचवीं बार है, जब गिल ने यह अवॉर्ड जीता है। उन्होंने अभिषेक शर्मा और जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को पीछे छोड़ा।

27 साल के गिल सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड जीतने वाले क्रिकेटर बने हैं। वे मेंस कैटेगरी में भी सबसे ज्यादा बार यह पुरस्कार जीतने वाले क्रिकेटर भी हैं।

विमेंस कैटेगरी में भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। उन्होंने अपनी साथी



खिलाड़ी श्री चरणी और श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू को पछाड़कर यह अवॉर्ड जीता। ICC के अवॉर्ड पर BCCI की पोस्ट

ICC ने गिल ने पांचवीं बार इस अवॉर्ड को अपने नाम किया। इससे पहले वे 2023 में जनवरी, सितंबर और 2025 में फरवरी और जुलाई में यह पुरस्कार जीत चुके हैं।

गिल ने पिछली बार पिछले साल जुलाई में अवॉर्ड जीता। विमेंस प्लेयर्स में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज भी 4-4 बार यह अवॉर्ड जीत चुकी हैं।

> भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे में 334 रन बनाए। उन्होंने पहले वनडे में 110 रन की पारी खेली। इसके बाद दूसरे वनडे में 133 गेंदों पर 223 रन बनाए। यह वनडे इतिहास की सबसे तेज डबल सेंचुरी है।



शेफाली को दूसरी बार अवॉर्ड मिला

शेफाली वर्मा को दूसरी बार ICC प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड मिला है। इससे पहले उन्हें पिछले साल नवंबर में इस पुरस्कार के लिए चुना गया था।

शेफाली ने सितंबर में 360 रन बनाने के साथ 6 विकेट भी लिए। वह महिला एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाए, जबकि फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 48 रन की पारी खेली।

ICC प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

इंटरनेशनल क्रिकेट कमेटी का एक विशेष पुरस्कार है। इसका उद्देश्य हर महीने इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में पुरुष और महिला क्रिकेटर्स के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को सम्मानित करना है।

शुरुआत कब हुई?

इस अवॉर्ड की शुरुआत जनवरी 2021 में हुई थी। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मेंस कैटेगरी में इसे जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। वहीं, महिला कैटेगरी का पहला अवॉर्ड साउथ अफ्रीका की शबनीम इस्माइल को मिला।

प्लेयर्स का चयन

- हर महीने के आखिर में अवॉर्ड नॉमिनेशन कमेटी प्रदर्शन और आंकड़ों के आधार पर 3 पुरुष और 3 महिला खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट करती है।
- विजेताओं का फैसला स्वतंत्र वोटिंग सिस्टम से होता है। 90% हिस्सेदारी वाली वोटिंग एकेडमी में वरिष्ठ पत्रकार, पूर्व खिलाड़ी, कमेंटेटर्स और ICC हॉल ऑफ फेम के मेंबर्स शामिल होते हैं। 10% हिस्सेदारी फैंस की होती है।
- वोटिंग के बाद हर महीने के दूसरे अप्ताह में ICC अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उस महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी के नाम घोषित करती है।

शमी को न्यूजीलैंड सीरीज में मौका मिले : पूर्व सिलेक्टर

विंडीज के खिलाफ बुमराह की कमी खली, भुवी का चयन सही



नई दिल्ली। पूर्व चीफ सिलेक्टर एमएसके प्रसाद ने भारतीय टेस्ट और वनडे टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी की वकालत की है। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार की टीम इंडिया में वापसी का सपोर्ट भी किया।

प्रसाद ने कहा कि भुवनेश्वर ने पिछले दो IPL सीजन में 45 विकेट लिए हैं। जबकि, शमी ने नए रणजी ट्रॉफी सीजन में दिल्ली के खिलाफ चार विकेट लेकर अपनी फिटनेस और फॉर्म साबित की है।

भारत का न्यूजीलैंड दौरा ऑल-फॉर्मेट है। टी20 टीम घोषित हो चुकी है, जबकि वनडे और टेस्ट टीम का ऐलान बाकी है। 6 अक्टूबर को टी-20 टीम में भुवनेश्वर कुमार को मौका दिया गया है। भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। प्रसाद का मानना है कि 3 वनडे वर्ल्ड कप में उनका रिकॉर्ड और लगातार अच्छा प्रदर्शन उन्हें एक और मौका दिलाने के लिए काफी है। प्रसाद ने कहा कि जसप्रीत बुमराह के बाहर रहने पर भारत को अनुभव की कमी खली है। मैं उन्हें न्यूजीलैंड सीरीज में देखना चाहता हूं। मैं उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की सीरीज में भी देखना चाहूंगा।' प्रसाद का कहना है कि चयनकर्ताओं को अनुभवी खिलाड़ियों को किसी बड़ी सीरीज के करीब आने तक इंतजार नहीं कराना चाहिए। अगर ऐसा करना है, तो उन्हें अभी से मौके देने शुरू करने चाहिए। बंगाल के इस तेज गेंदबाज ने नए रणजी ट्रॉफी सीजन की शुरुआत दिल्ली के खिलाफ चार विकेट लेकर की। शमी ने इस मैच में 17.3 ओवर गेंदबाजी की।

टीम इंडिया के पूर्व फील्डिंग कोच श्रीधर की चेतावनी

न्यूजीलैंड की ठंड और हवा से फील्डिंग कठिन होगी, 22 अक्टूबर से सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर ने चेतावनी दी है कि न्यूजीलैंड दौरे पर भारत की फील्डिंग कमजोरियां बढ़ सकती हैं।

श्रीधर ने कहा- 'ठंड और तेज हवा के बीच फील्डिंग मुश्किल होगी। इसके लिए खिलाड़ियों को मुश्किल परिस्थितियों में खुद को ढालना होगा।' भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर को हेग्ले ओवल में पहले T20I से शुरू होगा। इसके बाद 4 नवंबर से ODI सीरीज और 19 नवंबर से वेलिंगटन में टेस्ट सीरीज शुरू होगी।

श्रीधर भारतीय टीम के कैच छोड़ने की समस्या से चिंतित हैं। उन्होंने फील्डिंग में एक टीम कल्चर बनाने की जरूरत बताई। भारत ने



बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपनी पहचान बनाई है, लेकिन कैच छोड़ने और मौके गंवाने की समस्या लगातार बनी हुई है।

श्रीधर ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क की ओर से आयोजित वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे फील्डरों को ढलना होगा। जैसा कि आप जानते हैं, एल नीनो, सुपर एल नीनो के कारण इस साल भारत में अक्टूबर बहुत गर्म रहा है।' उन्होंने कहा, 'हमारे फील्डरों, गेंदबाजों और बल्लेबाजों को काफी बदलाव के लिए तैयार रहना होगा। न्यूजीलैंड की परिस्थितियां फील्डरों के लिए मुश्किल हो सकती हैं। वेलिंगटन तेज हवाओं के लिए जाना जाता है। जबकि, क्राइस्टचर्च में वसंत के दौरान सुबह और शाम ठंडी हो सकती हैं। श्रीधर ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों को ठंड के कारण गेंद पकड़ने में परेशानी न हो। इसके लिए हाथों को गर्म रखना होगा।खासकर वेलिंगटन में, जहां बहुत तेज हवा चल सकती है, ऊंचे कैच हमेशा चुनौती बन सकते हैं।' उन्होंने कहा- अगर आप क्राइस्टचर्च में हैं, तो हेग्ले ओवल एक शानदार, हरा-भरा क्रिकेट मैदान है और वहां बहुत ठंड हो सकती है।'

एक घंटे की देरी से शुरू हुआ, अल नासर 3-1 जीता, सऊदी ने हूतियों की मिसाइल गिराई

रोनाल्डो का मैच मिसाइल हमले से प्रभावित

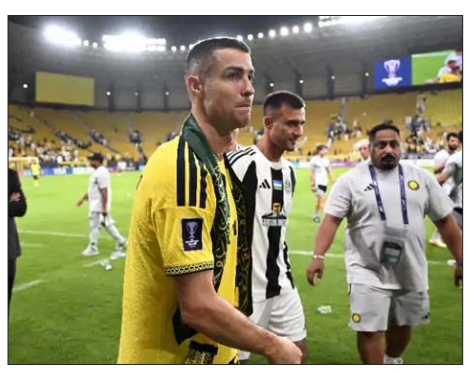


रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब के रियाद में हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले के खतरे के कारण एशियन फुटबॉल चैंपियंस ट्रॉफी का मैच एक घंटे देरी से शुरू हुआ। मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासर ने नफ्तची फरगाना को 3-1 से हराया।

सऊदी लीडरशिप वाले सैन्य गठबंधन ने कहा कि उसने रियाद की ओर दागी गई हूतियों की बैलिस्टिक मिसाइल को रोककर नष्ट कर दिया।

मैच अल-अव्वल पार्क में



स्थानीय समयानुसार रात 9:15 बजे (1815 GMT) शुरू होना था। मुकाबला रात 10:15 में शुरू हो सका। रोनाल्डो ने पहले हाफ के अंत से ठीक पहले अपने करियर का 981वां गोल किया। पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने टीम से बाहर जाने के मामले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को 3 मैच के लिए सस्पेंड किया है। फेडरेशन ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू की। यह मामला फेडरेशन की अनुशासनात्मक जांच समिति को भेजा गया है। फेडरेशन ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि जांच पूरी होने तक उसके निष्कर्ष गोपनीय रहेंगे।

मैच से पहले धमाके की आवाज

मैच से कुछ देर पहले AFP के संवाद-दाताओं ने रियाद में धमाकों की आवाज सुनी। इसी दौरान शहर के लोगों के फोन पर हवाई खतरे का अलर्ट भी आया।

अलर्ट में कहा गया, 'यह इलाका हवाई हमले के खतरे में है। कृपया शांत रहें और घर या किसी सुरक्षित जगह पर रहें। खिड़कियों और दरवाजों से दूर रहें। सिविल डिफेंस के निर्देशों का पालन करते रहें।'

टीवी में एक घंटे देरी से प्रसारण हुआ

स्टेडियम के उद्घोषक ने कहा कि स्थिति सुरक्षित है और मैच खेला जाएगा। उन्होंने दर्शकों से अपनी सीटों पर बने रहने की अपील की। हालांकि, मैच का प्रसारण कर रहे टेलीविजन चैनल ने मुकाबला एक घंटे देर से शुरू होने की जानकारी दी। इसके बाद गठबंधन ने X पर जारी बयान में हूतियों की ओर से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को "रोककर नष्ट" करने की बात कही। इसके अलावा, रियाद एयरपोर्ट पर भी कई जानलेवा हमले हुए हैं।



गोल सेलिब्रेट करते क्रिस्टियानो रोनाल्डो।

मनोरंजन

'ब्रेकिंग बैड' एक्टर आरजे मिटे ने किया सुसाइड

34 साल उम्र थी, अमेरिकी सीरीज में वॉल्टर व्हाइट जूनियर का किरदार निभाया था

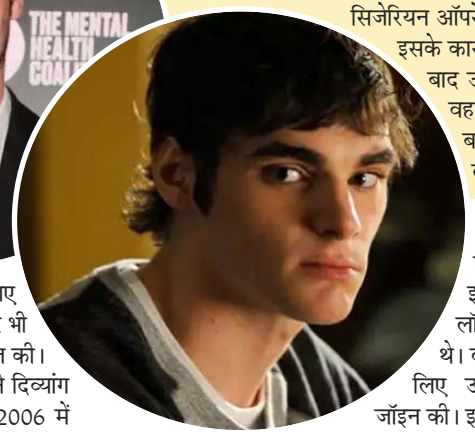
> उन्होंने हॉलीवुड में दिव्यांग कलाकारों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने का काम भी किया था।



नई दिल्ली। मशहूर अमेरिकी टीवी सीरीज 'ब्रेकिंग बैड' में वॉल्टर व्हाइट के बेटे यानी व्हाइट जूनियर का किरदार निभाने वाले एक्टर आरजे मिटे का 34 साल की उम्र में निधन हो गया।

अमेरिकी एंटरटेनमेंट वेबसाइट TMZ ने आरजे मिटे के रिप्रेजेंटेटिव के हवाले से बताया कि एक्टर ने सोमवार को टेक्सास में आत्महत्या की। 'ब्रेकिंग बैड' के अलावा मिटे ने 'द ओक रूम', 'ट्रायम्फ', 'द गार्डियंस ऑफ जस्टिस' और 'द अनसीन' जैसी फिल्मों और सीरीज में काम किया। 2019 में आई फिल्म 'स्टैंडिंग अप फॉर सनी' में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। मिटे को तीन साल की उम्र में सेरेब्रल पल्सी होने का पता चला। सेरेब्रल पल्सी का मतलब है कि उन्हें बचपन से चलने-फिरने और शरीर की गतिविधियों को नियंत्रित करने में परेशानी होती थी। डॉक्टरों ने उनके पैरों को सीधा करने के लिए छह महीने तक प्लास्टर लगाया था। बचपन में वह पैरों में सपोर्ट लगाने वाले उपकरणों और बैसाखियों की मदद से चलते थे। हालांकि, खेल और एक्सरसाइज की मदद से उनका शरीर धीरे-धीरे मजबूत होता गया। टीनएज तक आते-आते उन्हें चलने में मदद करने वाली इन चीजों की जरूरत नहीं रही। जब मिटे 13 साल के थे, तब उनकी मां लकवाग्रस्त हो गईं। इसके बाद उन्होंने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी संभालनी शुरू कर दी। उस समय उनकी छोटी बहन भी परिवार का हिस्सा थीं। जिसके बाद उन्होंने कम उम्र में परिवार की मदद के लिए काम करना शुरू किया। 2015 में मिटे को यूनाइटेड सेरेब्रल पाल्सी का सेलिब्रिटी एंबेसडर भी बनाया गया। उन्होंने दिव्यांग कलाकारों को मनोरंजन जगत में ज्यादा मौके देने की वकालत की। 2015 में मिटे को यूनाइटेड सेरेब्रल पाल्सी का सेलिब्रिटी एंबेसडर भी बनाया गया। उन्होंने दिव्यांग कलाकारों को मनोरंजन जगत में ज्यादा मौके देने की वकालत की। आरजे मिट्टे साल 2006 में अपनी छोटी बहन के एक्टिंग करियर और इलाज के सिलसिले में लॉस एंजिल्स शिफ्ट हुए थे। वहां नए दोस्त बनाने के लिए उन्होंने एक्टिंग क्लास जॉइन की। इसके बाद उन्होंने 'हन्ना मोंटाना' जैसे शोज में बैकग्राउंड एक्स्ट्रा के तौर पर काम किया। इसी दौरान उन्हें टीवी सीरीज 'ब्रेकिंग बैड' में वॉल्टर व्हाइट के बेटे वॉल्टर जूनियर का रोल मिला। शो के क्रिएटर विंस गिलीगन इस किरदार के लिए ऐसे एक्टर की तलाश में थे, जिसे असल जिंदगी में सेरेब्रल पाल्सी हो।





जन्म के समय हालत काफी गंभीर थी

आरजे मिटे का पूरा नाम रॉय फ्रैंक मिटे तृतीय था। उनका जन्म 21 अगस्त 1992 को अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के जैक्सन शहर में हुआ था। जन्म के समय उनकी हालत गंभीर थी। उन्हें इमरजेंसी सिजेरियन ऑपरेशन से पैदा किया गया था। जन्म के समय वह सांस नहीं ले रहे थे। इसके कारण उनके दिमाग को स्थायी नुकसान पहुंचा था। जन्म के कुछ हफ्तों बाद उन्हें रॉय फ्रैंक मिटे जूनियर और डायना मिटे ने गोद लिया था। जब वह सिर्फ दो महीने के थे, तब उनके माता-पिता अलग हो गए। इसके बाद उनकी मां ने उनकी परवरिश की। उनका बचपन लुइसियाना के लाफायेट और टेक्सास के ऑस्टिन शहरों में बीता।

बोले- मैं सच में इम्प्रेस हूं, फिल्म की कमाई 489.74 करोड़ रुपए के पार

मोहनलाल ने अजय देवगन की 'दृश्यम 3' की तारीफ की

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ सुपरस्टार मोहनलाल ने सोमवार को अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' यानी 'दृश्यम 3' की तारीफ की। उन्होंने फिल्म की कहानी देखकर कहा कि वे इससे बहुत प्रभावित हुए। गौरतलब है कि अजय देवगन की 'दृश्यम' और 'दृश्यम 2' मोहनलाल की ओरिजिनल मलयालम फिल्मों की आधिकारिक हिंदी रीमेक थीं। वहीं, अजय देवगन की 'दृश्यम 3' मोहनलाल की मलयालम फिल्म की रीमेक नहीं है। 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को लेकर देशभर में चर्चा जारी है और इसे



> प्रोडक्शन हाउस स्टार स्टूडियोज18 ने मोहनलाल का वीडियो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया। उन्होंने लिखा, "आपकी सराहना के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, मोहनलाल सर।"

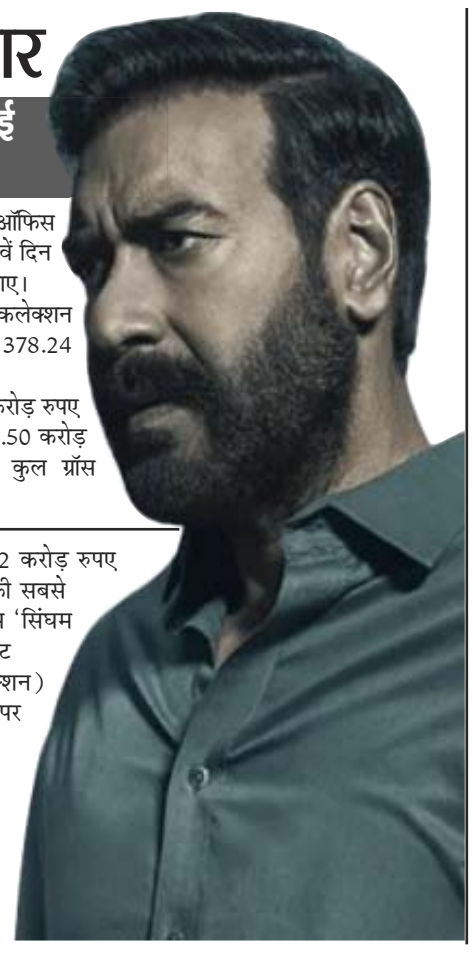
दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म देखने के बाद मोहनलाल ने इसकी टीम के लिए खास मैसेज शेयर किया। उन्होंने कहा, "मैंने 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' देखी। जिस तरह से उन्होंने इस पसंदीदा कहानी को शानदार अंत तक पहुंचाया, उससे मैं सच में इम्प्रेस हूं।" उन्होंने आगे कहा, "अभिषेक पाठक, कुमार मंगत पाठक, अजय देवगन और पूरी कास्ट-क्रू को बहुत अच्छा काम करने के लिए बधाई।" 'दृश्यम 3' अजय देवगन के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। फिल्म ने 2 अक्टूबर 2026 को रिलीज के पहले दिन भारत में 62 करोड़ रुपए नेट कमाए। यह अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग थी। इससे पहले उनकी फिल्म 'सिंघम अगेन' ने पहले दिन 43.50 करोड़ रुपए नेट कमाए थे। घरेलू बॉक्स ऑफिस (नेट कलेक्शन) और वर्ल्डवाइड कलेक्शन, दोनों ही पैमानों पर यह साल 2026 की दूसरी सबसे बड़ी हिंदी फिल्म बनी हुई है (पहले स्थान पर 'धुरंधर 2: द रिवेंज' है)। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' में अजय देवगन, तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर, जयदीप अहलावत और प्रकाश राज मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म की दुनियाभर में कमाई 489 करोड़ के पार

फिल्म 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। रिलीज के 11वें दिन फिल्म ने भारत में 6.25 करोड़ रुपए नेट कमाए।

इसके साथ ही भारत में फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 315.25 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 378.24 करोड़ रुपए हो गया।

वहीं, विदेशों में 11वें दिन फिल्म ने 2.50 करोड़ रुपए कमाए। इससे विदेशों में कुल ग्रॉस कमाई 111.50 करोड़ रुपए पहुंच गई। फिल्म का दुनियाभर में कुल ग्रॉस कलेक्शन अब 489.74 करोड़ रुपए हो गया।



नुसरत भरूचा ने सर्जरी के बाद दिखाई अपनी हालत

हादसे के बाद शेयर किया हेल्थ अपडेट



मुंबई। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने बाली में हुए हादसे के बाद रीढ़ की हड्डी की सर्जरी कराई है। सर्जरी के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पहली हेल्थ अपडेट शेयर की है। सामने आए वीडियो में नुसरत कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके हाथ में कई ड्रिप्स लगी हैं और नर्स उन्हें खाना खिला रही है।

नुसरत भरूचा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह टीवी पर शाहरुख खान और काजोल का गाना देख रही हैं। इस दौरान उनके हाथ में कई ड्रिप्स लगी हुई दिखाई दे रही हैं और नर्स उन्हें खाना खिला रही है।

इससे पहले एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर खिड़की के पास रखी खाली रिक्लाइनिंग व्हीलचेयर की तस्वीर शेयर की थी। तस्वीर में दूर सूर्यास्त का नजारा दिखाई दे रहा था। इसके साथ उन्होंने लिखा था, 'हमेशा से सनसेट का पीछा करती रही हूं, और अचानक मेरा नजारा बदल गया। लेकिन, पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त।'

नुसरत भरूचा काम और छुट्टियां बिताने के लिए बाली गई थीं, जहां वह एक हादसे का शिकार हो गईं। उनकी टीम की ओर से जारी बयान के मुताबिक, इस दुर्घटना में उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया था। इलाज के लिए उन्हें हवाई जहाज से मुंबई लाया गया था। साल 2023 में नुसरत भरूचा के शूटिंग के दौरान घायल होने की दो घटनाएं सामने आई थीं।

कराची से पेशावर जा रही थी, 5 साल में 500 से ज्यादा रेल हादसे पाकिस्तान में रेल हादसों का सिलसिला पुराना

पाकिस्तान में ट्रेन पटरी से उतरी 6 की मौत 30 घायल

दुर्घटना

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार सुबह कराची से पेशावर जा रही रहमान बाबा एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए हैं। ट्रेन सुबह करीब 5:15 बजे शेर शाह इलाके में पटरी से उतरी। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, 13 डिब्बों को हादसे वाली जगह से हटा दिया गया है।

पाकिस्तान में रेलवे की खराब हालत, पुराने ट्रैक और सिग्नल सिस्टम की समस्याओं के बीच कई बड़े रेल हादसे हो चुके हैं। कुछ हादसों में दर्जनों, तो कुछ में 100 से ज्यादा लोगों की जान गई।



13 जुलाई 2005: तीन यात्री ट्रेनें आपस में टकरा गई थीं। हादसे में कम से कम 130 लोगों की मौत हुई और करीब 170 लोग घायल हुए।

19 दिसंबर 2007: कराची एक्सप्रेस के 16 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। हादसे में 50 लोगों की मौत हुई और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए।

11 जुलाई 2019: क्वेटा जा रही अकबर एक्सप्रेस एक मालगाड़ी से टकरा गई थी। हादसे में कम से कम 21 लोगों की मौत हुई और 85 लोग घायल हुए। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रेन का ट्रैक बदलने में देरी हादसे की वजह बनी थी।

पाकिस्तान में रेल हादसों का सिलसिला पुराना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले 5 साल में देश में 500 से ज्यादा रेल हादसे दर्ज किए गए हैं।

31 अक्टूबर 2019: तेजगाम एक्सप्रेस के तीन डिब्बों में आग लग गई थी। इस हादसे में 74 लोगों की मौत हुई और 40 से ज्यादा लोग घायल हुए। अधिकारियों के मुताबिक, यात्रियों के खाना बनाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे गैस सिलेंडर में धमाके के बाद आग लगी थी।



रहमान बाबा एक्सप्रेस पटरी से कैसे उतरी इसकी वजह सामने नहीं आई है।

प्रधानमंत्री शहबाज ने रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने को कहा

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हादसे में घायल यात्रियों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने का निर्देश दिया।

उन्होंने अधिकारियों से घायलों को बिना देरी के बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराने को भी कहा।

ट्रेन के पटरी से उतरने की वजह अभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है। रेस्क्यू ऑपरेशन आगे बढ़ने के साथ पाकिस्तान रेलवे और संबंधित अधिकारी ज्यादा जानकारी दे सकते हैं।

पांच साल में 537 रेल हादसे

पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (APP) की जून 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 2019 से 2023 के बीच कुल 537 रेल हादसे दर्ज किए गए। इनमें से 313 हादसों में लोगों की मौत हुई या उन्हें गंभीर चोटें आईं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में 159, 2020 में 145, 2021 में 87, 2022 में 62 और 2023 में 84 रेल हादसे दर्ज किए गए। अधिकारियों ने बताया था कि इन पांच सालों में करीब 32% हादसे बिना कर्मचारी वाले रेलवे क्रॉसिंग पर हुए।

28 फरवरी 2020: कराची से आ रही पाकिस्तान एक्सप्रेस एक बस से टकरा गई थी। हादसे में कम से कम 19 लोगों की मौत हुई और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए।

आईएमएफ ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

2026 और 2027 के लिए 7% किया

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी IMF ने साल 2026 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को 6.4% से बढ़ाकर 7% कर दिया है। दुनियाभर में तनाव-सुस्ती और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग और सर्विसेज सेक्टर के बेहतर प्रदर्शन की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है।

IMF का यह अनुमान भारत को उन कई एनर्जी-इंपोर्ट करने वाले उभरते देशों से अलग खड़ा करता है, जो सुस्ती का सामना कर रहे हैं। IMF ने अपनी अक्टूबर 2026 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट में कहा कि भारत पॉजिटिव बदलावों के साथ सबसे अलग नजर आ रहा है, जो देश की मजबूत ग्रोथ क्षमता को दर्शाता है।

IMF ने 2026 के लिए भारत की ग्रोथ के अनुमान में जुलाई के मुकाबले 0.6% और अप्रैल के मुकाबले 0.5% की बढ़ोतरी की है। वहीं साल 2027 के लिए भी ग्रोथ अनुमान को बढ़ाकर 7% कर दिया गया है, जो जुलाई से 0.3% और अप्रैल से 0.5% ज्यादा है।



IMF से पहले वर्ल्ड बैंक और OECD जैसी प्रमुख ग्लोबल एजेंसियां भी भारत के विकास दर अनुमान को बढ़ाकर 7% के आसपास कर चुकी हैं। IMF की रिसर्च डायरेक्टर और इकोनॉमिक काउंसलर सिल्वाना तेनरेरो के मुताबिक, नेट एनर्जी इंपोर्टर होने के बावजूद एशियाई सेक्टर में जबरदस्त मजबूती दिखी है।

फास्ट न्यूज

'ब्रेग्जिट जनमत में रूस ने दिया था दखल'

लंदन। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम एक सनसनीखेज दावा किया है कि साल 2026 में यूरोपीय यूनियम से अलग होने के ऐतिहासिक ब्रेग्जिट जनमत संग्रह में रूस में दखल दिया था। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह दखल कैसे हुआ, न ही उन्होंने अपने दावे का कोई सबूत ही दिया। उन्होंने जर्मनी और फ्रांस के मतदाताओं को भी रूस से आगाह किया है। आपको बता दें कि रूस पर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के आरोप लग चुके हैं।

जापान में 30 टन वजनी और 160 मीटर लंबी रस्सी खींचने की होड़

टोक्यो। जापान के नाहा में पारंपरिक ग्रेट टग-ऑफ-वॉर प्रतियोगिता में हजारों लोगों ने 160 मीटर लंबी और 30 टन वजनी रस्सी खींची। यह परंपरा 15वीं सदी से चली आ रही है। लोग अच्छी फसल, सेहत और संतान सुख की कामना के लिए जुटते थे उत्सव में पूर्व और पश्चिम की टीमें मुकाबला करती हैं। रस्सी को 5 मीटर खींचना या 30 मिनट में दूसरी टीम से ज्यादा दूरी तक खींचने पर जीत होती है। रस्सी के छोटे हिस्से काटकर घर ले जाना भी परंपरा है। इस साल करीब 10 मिनट तक ये मुकाबला चला, लेकिन मैच ड्रॉ हो गया।

साउथ कोरिया के सुपरमार्केट में चाकूबाजी

सियोल। साउथ कोरिया के इंचियोन शहर में एक सुपरमार्केट में चाकूबाजी की घटना हुई। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि सुपरमार्केट में चाकूबाजी की घटना में 8 लोग घायल हो गए। जिसमें एक व्यक्ति को कार्डियक अरेस्ट आया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को जानकारी देते हुए कहा कि मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने एक संदिग्ध पुरूष को गिरफ्तार किया और हमले के मकसद और हालात की जांच की जा रही है।

ट्रम्प के लिए पिछले चुनाव से ज्यादा खर्च रहे मस्क

रिपब्लिकन पार्टी को 2,600 करोड़ चंदा दिया

वॉशिंगटन, एजेंसी

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति इलॉन मस्क राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को मिडटर्म चुनाव में जिताने के लिए पिछले चुनाव से ज्यादा खर्च कर रहे हैं।

मस्क ने जुलाई से सितंबर तक के 3 महीने में रिपब्लिकन पार्टी को 276 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,600 करोड़ रुपए से ज्यादा चंदा दिया है। इतना पैसा अब तक किसी शख्स ने मिडटर्म चुनाव में खर्च नहीं किया। मस्क ने अकेले इतना चंदा दिया कि डेमोक्रेटिक पार्टी को उस तिमाही में अपने सभी चंदा देने वालों से मिलाकर भी इतनी रकम नहीं मिली। मस्क ने 2025-26 में अब तक रिपब्लिकन पार्टी को करीब 366 मिलियन डॉलर (करीब 3500 करोड़ रुपए) दिए हैं। यह रकम 2023-24 के चुनाव में दिए गए उनके करीब 290 मिलियन डॉलर (करीब 2800 करोड़ रुपए) से ज्यादा है। मस्क की दी नई रकम से मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को आर्थिक बढ़त मिली है। इसके मुकाबले डेमोक्रेटिक पार्टी का कोई भी अरबपति चंदा देने वाला व्यक्ति मस्क जितना पैसा खर्च नहीं कर रहा है। मस्क के चंदे से यह भी साफ हुआ है कि वे अमेरिकी राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहना चाहते हैं। मई 2025 में उन्होंने कहा था कि भविष्य में वे राजनीतिक खर्च काफी कम कर देंगे।



कल इंडोनेशियाई पायलट के कारण विमान लौटाया, फ्लाईदुबई हादसे के बाद 11 देशों के पायलटों पर रोक

इजराइल पहुंची अमेरिकी फ्लाइट को बम की धमकी

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क से तेल अवीव पहुंची डेल्टा एयरलाइंस की फ्लाइट को मंगलवार को बम की धमकी मिली। विमान खाली कराकर तलाशी ली गई, लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला।

इससे एक दिन पहले इंडोनेशियाई पायलट के कारण इजराइल ने इथियोपियन एयरलाइंस के कार्गो विमान को उतरने की मंजूरी नहीं दी थी। पायलट बदलने के बाद विमान को अनुमति मिली।सितंबर में फ्लाईदुबई की फ्लाइट में हुए हादसे के बाद इजराइल ने सुरक्षा नियम सख्त कर 11 देशों के पायलटों और क्रू पर रोक लगा दी।

इनमें अफगानिस्तान, अल्जीरिया, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, कुवैत, नाइजर, कतर, सऊदी अरब, सोमालिया और वेनेजुएला शामिल हैं। इन देशों के इजराइल से राजनयिक संबंध नहीं हैं। 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में ओमान के पायलट ने दूसरे पायलट पर चाकू से हमला कर दिया था।



इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर मंगलवार को लैंडिंग के बाद फ्लाइट की तलाशी ली गई।

विमान का ईंधन समुद्र के ऊपर गिराना पड़ा

इथियोपियन एयरलाइंस की फ्लाइट में सवार क्रू मेंबर्स की लिस्ट विमान के अदीस अबाबा से उड़ान भरने के बाद इजराइल को भेजी गई थी। यानी विमान के रवाना होने से पहले इजराइल को उसके क्रू की पूरी जानकारी नहीं मिली थी। विमान में उड़ान भरते समय काफी ईंधन था। पायलट को वापस अदीस अबाबा लौटना था, इसलिए विमान का वजन कम करने के लिए समुद्र के ऊपर ईंधन गिराया गया। इसके बाद पायलट को बदल दिया गया। नए पायलट को इजराइल में उतरने की मंजूरी मिलने के बाद विमान के दोबारा वहां जाने का रास्ता साफ हुआ।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर विमान को इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर गिराने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, कई यात्रियों ने बीच में आकर उसे रोक दिया और विमान की सऊदी अरब के ताबुक एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइदुबई की फ्लाइट का रूट देखें फ्लाईदुबई की घटना के बाद जांच में पता चला था कि दुश्मन देशों के सैकड़ों क्रू मेंबर पहले भी इजराइल आ चुके हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इसे देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना था।



फ्लाइदुबई की फ्लाइट में ओमानी पायलट ने भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर कॉकपिट में इमरजेंसी के लिए मौजूद छोटी कुल्हाड़ी से हमला किया था। यह तस्वीर 30 सितंबर की है जब कैप्टन स्मित को सऊदी के एयरपोर्ट से अस्पताल ले जाया गया था।

एनर्जी सीजफायर के दावे के 2 दिन बाद रूस ने 6 ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया

जेलेंस्की से ज्यादा पुतिन शांति समझौता चाहते हैं : डोनाल्ड ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से ज्यादा शांति समझौता करना चाहते हैं।

ट्रम्प ने 11 अक्टूबर को रूस-यूक्रेन युद्ध में ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए सीजफायर का दावा किया था। इसके दो दिन बाद यूक्रेन ने कहा कि रूस ने उसके 6 ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए और 33 लोग घायल हुए और अलग-अलग हमलों में 8 यूक्रेनी नागरिकों की मौत हुई।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि यूक्रेन अमेरिका के प्रस्ताव के तहत ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए तैयार है। लेकिन इसके लिए रूस को भी ऐसा करना होगा। इससे पहले उन्होंने वारसॉ सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर रूस ने ऊर्जा ठिकानों पर हमले नहीं रोके, तो यूक्रेन भी जवाबी कार्रवाई करेगा। यूक्रेन के मुताबिक, अमेरिकी प्रस्ताव के ऐलान के कुछ ही घंटों बाद पूर्वी यूक्रेन के एक बिजलीघर पर हमला हुआ। रूस ने भी ऊर्जा सीजफायर लागू होने की पुष्टि नहीं की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस कुछ समय के लिए लड़ाई रोकने के बजाय ऐसी शांति चाहता है, जो लंबे समय तक बनी रहे।पेस्कोव के मुताबिक, पुतिन यूक्रेन में चुनाव के दिन रूसी सेना को गोलीबारी रोकने का आदेश देंगे। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि स्थायी शांति के लिए रूस किन शर्तों पर सहमत हो सकता है।



यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस की ओर से ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। उनके मुताबिक, रूस ने सोमवार को यूक्रेन के 6 ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों में देशभर में 33 लोग घायल हुए।



रूस के राष्ट्रपति पुतिन मॉस्को के क्रेमलिन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ यूक्रेन युद्ध खत्म करने के प्रस्तावों पर चर्चा की थी। तस्वीर 5 सितंबर 2026 की है।

ट्रम्प बोले- इस महीने युद्ध में 32 हजार लोग मारे गए

ट्रम्प ने दावा किया कि इस महीने युद्ध में 32 हजार लोग मारे गए हैं। हालांकि, इस आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

ट्रम्प ने दावा किया कि दोनों देश एनर्जी सीजफायर के लिए तैयार हो गए हैं। सोमवार को जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि रूस और यूक्रेन ने सहमति से इनकार किया है, तो उन्होंने कहा, वे सहमत हो गए। पता है क्यों? क्योंकि मैंने कहा कि वे सहमत हैं। इसी वजह से वे सहमत हुए। इस मामले को सुलझाना ही होगा।

यूपीआई पर 0.4% चार्ज दिवाली तक टला

2 हजार से ज्यादा के पेमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू होना था

नई दिल्ली, एजेंसी

UPI पेमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू होने वाला चार्ज दिवाली तक टाल दिया गया है। इसमें दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का UPI पेमेंट करने पर 0.4% चार्ज लगना था। आम लोगों के बीच ट्रांजैक्शन पहले की तरह फ्री रहेगा।

NPCI ने त्योहारी सीजन को देखते हुए इसे टालने का फैसला लिया है। NPCI ने कहा है कि इसे दिवाली के तुरंत बाद लगाया जाएगा, लेकिन अभी तारीख नहीं बताई है।

अगर ग्राहक दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का UPI पेमेंट करता है, तो दुकानदार को कुल रकम पर 0.4% का MDR चार्ज देना होगा। अगर ग्राहक 75,000 या उससे ज्यादा का बड़ा पेमेंट करता है, तो प्रतिशत के बजाय अधिकतम 300 का फ्लैट चार्ज लागू होगा।



अगर ग्राहक रेलवे, टेलीकॉम, इंश्योरेंस या फ्यूल पर 2,000 से ज्यादा का पेमेंट करता है, तो प्रति ट्रांजैक्शन 5 का फ्लैट चार्ज लगेगा।

दिवाली के दौरान देश भर के बाजारों में कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, गहने और सामानों की भारी बिक्री होती है। ऐसे में डिजिटल पेमेंट बढ़ जाता है। कारोबारी संगठनों और पेमेंट कंपनियों का मानना था कि त्योहारों के बीच नया नियम लागू करने से दुकानों पर पेमेंट में रुकावट आ सकती है। इसी बात को ध्यान में रखकर NPCI ने दिवाली तक इस फैसले को आगे बढ़ा दिया है।

हमला : 480 से ज्यादा दुकानों के फ्रिज 50 डिग्री सेल्सियस तक गर्म, खाना खराब हुआ, कई जगह आग लगी

फ्रांस के सुपरमार्केट्स पर साइबर अटैक

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में सैकड़ों सुपरमार्केट्स के रेफ्रिजरेशन सिस्टम पर सोमवार को बड़ा साइबरअटैक हुआ। इससे 480 से ज्यादा दुकानों के फ्रिज और फ्रीजर का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

फ्रांसीसी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हैकरों ने कई स्टोर्स के रेफ्रिजरेशन सिस्टम को डीफ्रॉस्टिंग मोड में डाल दिया। इससे ताजा और फ्रोजन खाना खराब हो गया।

कई स्टोर्स में आग भी लग गई। फ्रांस की बड़ी रिटेल कंपनियों ने इसे अब तक का ऐसा पहला और बेहद गंभीर हमला बताया।

सुपरमार्केट में फ्रिज और फ्रीजर को आमतौर पर कंट्रोल पैनल से चलाया जाता है। ये पैनल पूरे स्टोर के ठंडक वाले सिस्टम को कंट्रोल करते हैं। इंटरनेट से जुड़े होने के कारण मेंटेनेंस करने वाली कंपनियां दूर बैठकर भी इनकी सेटिंग बदल सकती हैं।



अगर कोई हैकर इस सिस्टम तक पहुंचने में कामयाब हो जाए, तो वह फ्रिज और फ्रीजर की सेटिंग बदल सकता है। ऐसा करने के लिए हैकर सिस्टम की सुरक्षा में मौजूद किसी कमजोरी का फायदा उठाता है।

इस तरह वह फ्रिज और फ्रीजर की ठंडक कम कर सकता है या डीफ्रॉस्टिंग शुरू कर सकता है। डीफ्रॉस्टिंग वह प्रक्रिया है, जिसमें फ्रिज या फ्रीजर में जमी बर्फ पिघलाई जाती है।

इससे पहले 9 अगस्त को साइबर सिक्योरिटी कंपनी क्लैरोटी ने डैनफॉस के सिस्टम में मौजूद कुछ कमजोरियों पर एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया गया था कि इन कमजोरियों का फायदा उठाकर हमलावर बिना सही पहचान जांच के सिस्टम तक पहुंच सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने जांच के आदेश दिए

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने नेशनल साइबरसिक्योरिटी एजेंसी ANSSI को जांच के आदेश दिए हैं। फ्रांस दूसरे यूरोपीय देशों के साथ मिलकर यह भी जांच कर रहा है कि वहां और कंपनियां प्रभावित हुई हैं या नहीं। पेरिस प्रॉसिक्यूटर ऑफिस ने इसे बड़े स्तर का हमला बताया। ऑफिस के मुताबिक, पूरे फ्रांस में कई बड़े फूड रिटेलर्स के इंटरनेट से जुड़े फ्रिजों को निशाना बनाया गया।

> डैनफॉस ने कहा कि उसे फ्रांस में फ्रिज और फ्रीजर के सिस्टम से जुड़ी कुछ घटनाओं की जानकारी है। कंपनी के मुताबिक, इनमें सॉफ्टवेयर का पुराना वर्जन इस्तेमाल हो रहा

डेनमार्क की कंपनी के फ्रिज कंट्रोलिंग सॉफ्टवेयर में खराबी

प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी के मुताबिक, फ्रांस की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी ने डेनमार्क की कंपनी डैनफॉस के सॉफ्टवेयर में एक कमजोरी की पहचान की है। इसी कंपनी के बनाए सिस्टम से सुपरमार्केट के फ्रिज और फ्रीजर कंट्रोल होते हैं। कंपनी ने बताया कि वह ग्राहकों को लंबे समय से सॉफ्टवेयर अपडेट रखने और पुराने उपकरण बदलने की सलाह देती रही है।

अजरबैजान में 96% मुस्लिम फिर भी हिजाब बैन हुआ

छात्राओं ने सरकार के फैसले का विरोध किया

बाकू, एजेंसी

मुस्लिम बहुल देश अजरबैजान में स्कूलों में हिजाब पहनने को लेकर विवाद शुरू हो गया है। सरकार ने स्कूलों के ड्रेस कोड में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत ऐसे कपड़े पहनने पर रोक लगाई गई है, जिन्हें सरकार धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ मानती है।

इसके बाद हिजाब पहनकर स्कूल पहुंचीं कुछ छात्राओं और शिक्षकों को कक्षाओं में जाने से रोक दिया गया। फैसले के विरोध में छात्राओं ने कक्षाओं का बहिष्कार किया और प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इस फैसले का विरोध पड़ोसी देश तुर्किये तक पहुंच गया है। अजरबैजान की करीब 96% आबादी मुस्लिम है।

अजरबैजान सरकार का कहना है कि स्कूलों में सभी छात्रों के लिए एक जैसा ड्रेस कोड होना चाहिए। इसी वजह से यूनिफॉर्म से जुड़े नियम बदले गए हैं।



नए नियमों में हिजाब का नाम लेकर सीधे रोक नहीं लगाई गई है। लेकिन ऐसे कपड़ों पर पाबंदी लगाई गई है, जिन्हें सरकार देश के धर्मनिरपेक्ष नियमों के खिलाफ मानती है। सरकार ने यह भी कहा है कि देश की संस्कृति और राष्ट्रीय परंपराओं से जुड़े कपड़े खास मौकों पर पहने जा सकते हैं। इसके लिए स्कूल की संबंधित समिति से मंजूरी लेनी होगी। अजरबैजान की करीब 96% आबादी खुद को मुस्लिम मानती है। इनमें ज्यादातर शिया मुस्लिम हैं, जबकि सुन्नी मुस्लिम भी बड़ी संख्या में हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676